



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 227]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 29, 2017/भाद्र 7, 1939

No. 227]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 29, 2017/BHADRA 7, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 2017

(अंतिम जाँच परिणाम)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पारा निट्रो एनीलिन (पीएनए) के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा जाँच (एसएसआर)

सं. 15/09/2016-डीजीएडी.—क. मामले की पृष्ठभूमि

1. सन् 1995 में और उसके बाद यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) ने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "पारा निट्रो एनीलिन" (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी।

2. जबकि संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में मूल जांच प्राधिकारी द्वारा 8 जून, 2010 की अधिसूचना सं. 14/13/2010-डीजीएडी द्वारा शुरू की गई थी। प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम दिनांक 5 अगस्त, 2011 की अधिसूचना सं.14/13/2010-डीजीएडी द्वारा प्रकाशित किए गए थे और केन्द्र सरकार द्वारा

निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क दिनांक 9 सितंबर, 2011 की अधिसूचना सं. 88/2011-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था।

3. जबकि इस अधिनियम के संदर्भ में लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, जब तक कि पहले न हटाया जाए, इस प्रकार शुल्क लगाए जाने की तारीख से 5 वर्षों की समाप्ति पर बंद हो जाएगा।

4. और उपर्युक्त प्रावधान के होते हुए भी प्राधिकारी द्वारा इस उपाय की समाप्ति की तारीख से पूर्व उपयुक्त समयावधि के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से विधिवत रूप से किए गए अनुरोध के आधार पर समीक्षा किया जाना अपेक्षित है कि क्या शुल्क समाप्त होने से पाटन तथा क्षति जारी रहने अथवा उसके बार-बार होने की संभावना है।

5. जबकि मै. अभिलाषा टैक्स कैम. लिमिटेड और मै. अमर ज्योत कैमिकल्स प्रा.लि. (जिन्हें यहां आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) और जिसका मै. पानोली इंटरमीडिएट्स (इंडिया) प्रा. लि. तथा मै. प्रीमीयर आर्गोकैम इंडस्ट्रीज प्रा.लि. ने समर्थन किया है, ने चीन जन.गण. के मूल के और वहां से निर्यातित पारा निट्रो एनीलिन (पीएनए) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने के लिए समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की।

6. घरेलू उद्योग की ओर से दायर पाटन एवं क्षति की संभावना के प्रथमदृष्टया साक्ष्य के साथ विधिवत रूप से पुष्ट आवेदन पत्र के मद्देनजर और पाटनरोधी नियमावली के नियम-23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के संबंध में शुल्क सतत रूप से लगाए जाने की आवश्यकता तथा यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क के समाप्त होने से घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है, की समीक्षा करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम-23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसार निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र में प्रकाशित 1 सितंबर, 2016 की अधिसूचना सं. 15/09/2016-डीजीएडी जारी की। संबद्ध देश से संबद्ध सामान के आयात पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता केन्द्र सरकार द्वारा 7 सितंबर, 2016 की अधिसूचना सं. 49/2016-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा 8 सितंबर, 2017 तक बढ़ाई गई थी।

7. वर्तमान समीक्षा के क्षेत्र में संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयात के संबंध में पूर्व जांचों के सभी पहलू शामिल हैं।

ख. प्रक्रिया

8. विषयगत जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i. निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपर्युक्त नियमावली के तहत "चीन जन.गण. से पारा निट्रो एनीलिन" के आयात पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने के लिए घरेलू उद्योगों की ओर से आवेदकों से लिखित आवेदन प्राप्त हुए।

- ii. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के संबंध में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया।
- iii. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के मूल के और वहां से निर्यातित पारा निट्रो एनीलिन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की जांच की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 1 सितंबर, 2016 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- iv. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देश के दूतावास तथा ज्ञात निर्यातकों को आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सार्वजनिक फाइल के रूप में भी उपलब्ध कराई गई। जहां भी अनुरोध किया गया वहां अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई।
- v. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार, भारत में चीन जन.गण. के दूतावास, चीन जन.गण. से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे नियम 6(2) और 6(4) के अनुसार अनुरोध किया कि वे पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दर्ज करें।
- vi. प्राधिकारी ने चीन जन.गण. में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को संगत सूचना देने के लिए एक निर्यातक प्रश्नावली भेजी और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने ज्ञात विचार देने का अवसर प्रदान किया:

ग्रीन फाइन कैमिकल (शंघाई) कंपनी लिमिटेड
 लौंग आइलैंड फार्मास्युटीकल एंड कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 वुजियन सिटी यीलिन फोरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (यीलिन)
 हेबेयी योंगताई क्रीएट कैमिकल्स कं. लिमिटेड (योंगताई)
 जुनवी कैमिकल कंपनी लिमिटेड
 सुझोऊ लुसन ऑक्सीलियरीज कंपनी लिमिटेड (लूसन)
 होंगझोऊ डिगशेंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड (डिंगशेंग)

- vii. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली भी चीन जन.गण. में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में चीन जन.गण. के दूतावास को इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना प्रदान करें।
- viii. तथापि, उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में किसी भी निर्यातक ने एमईटी प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए :

वुजियन सिटी यीलिन फोरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
 सुझोऊ लुसन ऑक्सीलियरीज कंपनी लिमिटेड
 हेजियन योंगझोऊ कैमिकल कंपनी लिमिटेड

- ix. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को आयातक प्रश्नावली के साथ जांच की

शुरूआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें:

बोडील कैमिकल्स लिमिटेड
 आल्प्स कैमिकल लिमिटेड
 जय कैमिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 गुरुदेव ड्राईस्टफ (इंडिया) प्रा.लि.
 जुमेक्स/कैमेक्स
 कीर्ति डाइज एंड कैमिकल लिमिटेड
 कैम आर्ग प्लास्ट लेबोरेट्री

- X. तथापि, संबद्ध सामानों के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।
- xi. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए।
- xii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और उस सूचना को गोपनीय माना गया तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को वह प्रकट नहीं की गई। जहां भी संभव था गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें तथा उन्हें नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल में रखा गया था।
- xiii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों की क्षति रहित कीमत और उत्पादन लागत निकालने के लिए अनुबंध-III में उल्लिखित दिशानिर्देशों के आधार पर यथासंभव सीमा तक घरेलू उत्पादक द्वारा दी गई सूचना की जांच की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटनरोधी मार्जिन से पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xiv. इस जांच में जांच की अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 है। क्षति जांच अवधि में 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि (पीओआई) है। जांच की अवधि (अप्रैल, 2016 से सितंबर, 2016) के बाद के आंकड़ों की भी पाटन एवं क्षति की संभावना निर्धारित करने के लिए जांच की जा सकती है।
- xv. इसके अतिरिक्त, आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से यथावश्यक सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन जांच के प्रयोजन के लिए जहां तक आवश्यक समझा गया, किया गया था।
- xvi. वाणिज्य आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से लेनदेनवार आंकड़े मांगे गए थे। प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध सामानों के आयात मूल्य और मात्रा का परिकलन करने के लिए डी जी सीआई एंड एस के आंकड़ों तथा सहकारी निर्यातकों के आंकड़ों पर विश्वास किया।

- xvii. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने हेतु 23 जून, 2017 को मौखिक सुनवाई की। जिन हितबद्ध पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे उन्हें सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में दायर करें। हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के प्रति अपना प्रत्युत्त पेश करने का अवसर प्रदान किया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर उचित रूप से विचार किया है।
- xviii. जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को न तो उत्तर दिया और न ही इस जांच से संगत सूचना दी, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया।
- xix. दिनांक 1.08.2017 को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन अनिवार्य तथ्य थे, प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने के लिए 14.08.2017 तक का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात टिप्पणियों पर समुचित रूप से विचार किया गया था।
- xx. *** इस अंतिम जांच परिणाम में गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई सूचना दर्शाता है और इस तरह प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय माना गया है।
- xxi. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अम.डॉ. = 65.91 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

9. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- वर्तमान जांच के तहत विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र पारा निट्रो एनीलिन (पीएनए) है। इस रसायन का प्रयोग सामान्यतः डाई के संश्लेषण, एंटी ऑक्सीडेंट्स, फार्मास्युटीकल्स एवं गैसोलीन, गोंद के भीतरी तत्वों में, पॉल्ट्री औषधियों में और क्षरण के भीतरी तत्वों के रूप में किया जाता है।
- इस उत्पाद का उत्पादन एमोनोलिसिस प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है और इसमें अमोनिया हाइड्रोलिसिस के समकक्ष तत्वों से अभिक्रिया होती है जिसमें एक बॉन्ड को तोड़ा जाता है तथा एक एनएच₂ समूह को एक खंड में संयोजित किया जाता है। इस अभिक्रिया के क्रम में महत्वपूर्ण कदम एमिनो समूह में निट्रो ग्रुप पारा को संस्थापित करने के लिए इलेक्ट्रोफिलिक एरोमेटिक प्रतिस्थापन है। इस अभिक्रिया के बाद 2-निट्रो एनीलिन को समाप्त करने के लिए पृथक्करण किया जाना चाहिए, जोकि अभिक्रिया के दौरान छोटी सी मात्रा में बनता है।
- पारा निट्रोएनीलिन (पीएनए) सामान्यतः उत्पादित किया जाता है और किलोग्राम भार के रूप में बेचा जाता है। इसे कई उप शीर्षों के अलावा, उप शीर्ष संख्या 29214226 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय-29 में वर्गीकृत किया गया है।

- iv. संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध सामान और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सामान में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों में भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों के संदर्भ में तुलनीय विशेषताएं हैं।

निर्यातिकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

10. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पारा निट्रो एनीलिन है। पारा निट्रो एनीलिन को सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 के अध्याय-29 के तहत सीमाशुल्क उप-शीर्ष संख्या 29214226 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण स्वभाव में संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

12. प्राधिकारी ने मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में निम्नलिखित विवरण का उल्लेख किया था :

“वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पारानिट्रोएनीलिन (जिसे बाद में यहां “संबद्ध सामान” कहा गया है) है। यह एक ऑर्गेनिक रासायनिक मिश्रण है। पारा निट्रोएनीलिन को 4-निट्रोएनीलिन, 1-एनिमो-4-निट्रोबेंजीन, अथवा निट्रोफेनिलामिन के रूप में भी जाना जाता है। 4- निट्रोएनीलिन पारा रैड, पहला एजोडाई के संश्लेषण के लिए एक आरंभिक सामग्री है। इस रासायन का प्रयोग सामान्यतः डाई के विश्लेषण, एंटी ऑक्सीडेंट्स, फार्मास्युटीकल एवं गैसोलीन, गौंद के भीतरी तत्वों में, पॉल्ट्री ऑषधियों में और क्षरण के भीतरी तत्वों के रूप में किया जाता है।”

13. चूंकि वर्तमान जांच निर्णायक समीक्षा जांच है अतः विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र मूल जांच के क्षेत्र की तरह है।

घ. समान वस्तु

14. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध सामान और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सामान में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पादों में भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों के संदर्भ में तुलनीय विशेषताएं हैं।

15. प्राधिकारी रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद संबद्ध देश से आयातित सामानों की समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद भौतिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों के संदर्भ में तुलनीय हैं। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्व जांचों में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की जांच की थी जिस पर आवश्यक परिवर्तनों के साथ वर्तमान समीक्षा जांच में विश्वास किया

गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामान और संबद्ध देश से आयातित सामान नियमों के अनुसार समान वस्तु हैं। दोनों तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का प्रयोग परस्पर परिवर्तनीय रूप से कर रहे हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अभिप्राय और क्षेत्र के अंतर्गत समान वस्तु हैं।

16. इस प्रकार, प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु हैं।

ड. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

17. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. यह याचिका मै. अभिलाषा टैक्सकैम लिमिटेड और मै. अमरज्योज कैमिकल प्रा. लि. द्वारा दायर की गई है तथा इसका समर्थन मै. पनोली इंटरमीडिएट्स (इंडिया) प्रा. लि. और मै. प्रीमियर ऑर्गोकेम इंडस्ट्रीज प्रा. लि. द्वारा किया गया है।
- ii. याचिकाकर्ताओं का भारतीय उत्पादन में भारी अनुपात है और तदनुसार, नियमावली के अभिप्राय के अंतर्गत “घरेलू उद्योग” हैं।
- iii. याचिकाकर्ता ने संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है। याचिकाकर्ता प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पादक के किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित नहीं हैं। इस प्रकार, याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के तहत पात्र घरेलू उद्योग है।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

18. किसी भी निर्यातक/आयातक/अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. याचिका मै. अभिलाषा टैक्सकैम प्रा.लि. और अमरज्योज कैमिकल प्रा.लि. द्वारा दायर की गई है और इसका समर्थन मै. पैनोली इंटरमीडिएट्स (इंडिया) प्रा.लि. और मै. प्रीमियर आर्गोकेम इंडस्ट्रीज प्रा.लि. द्वारा किया गया है।

20. प्राधिकारी रिकॉर्ड में सूचना के आधार पर नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन की प्रतिशतता के रूप में 65 प्रतिशत है, जैसाकि निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित है। इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध सामानों का आयात नहीं किया है और वह संबद्ध देश में संबद्ध सामानों के निर्यातक अथवा किसी उत्पादक अथवा नियम 2(ख) के अभिप्राय के अंतर्गत भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक अथवा प्रयोक्ता से संबंधित नहीं हैं।

हिस्सा	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
याचिकाकर्ता समग्र रूप से	%	64%	62%	63%	65%
समर्थक	%	36%	38%	37%	35%
समर्थकों सहित याचिकाकर्ता	%	100%	100%	100%	100%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	0%	0%	0%	0%
कुल भारतीय उत्पादन	%	100%	100%	100%	100%

21. उपर्युक्त के मद्देनजर और समुचित जांच के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक आधार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) के तहत घरेलू उद्योग हैं।

च. गोपनीयता से संबंधित मुद्दे

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

22. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- i. निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और गोपनीयता के आवरण में निर्यातकों द्वारा निम्नलिखित सूचना दायर नहीं की गई है।
 - क. संबंधित उत्पाद और बिक्री संबंधी वार्ता प्रक्रिया के लिए लाइसेंस तकनीकी एवं पेटेंट करारों, बिक्री, उत्पादन, अनुसंधान एवं विकास के संबंध में दूसरी कंपनी के साथ वित्तीय अथवा संविदागत संपर्क एवं संयुक्त उद्यमों के ब्यौरे।
- ii. सुझाऊ लोशेन ऑक्सीलरीज कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर उत्तर में परिशिष्ट-3 के अंतर्गत दायर सूचना झूठी और भ्रामक प्रतीत होती है जिसमें कंपनी का कारोबार और बाजार हिस्सा जांच की अवधि सहित सभी वर्षों में समान है।
- iii. उत्पादन प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, घरेलू बिक्री, व्यापारिक लाइसेंस और शेयरधारिता के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है।
- iv. अगोपनीय रूपांतर में दी गई सूचना समझ से परे है। एनसीवी रूपांतर में आंकड़ों की स्पष्ट समझ नहीं दी गई है और उसी कारण विस्तृत टिप्पणियां देने में घरेलू उद्योग असमर्थ है।
- v. सूचना देने की अवधि सभी उत्तरदायी निर्यातकों द्वारा भिन्न-भिन्न रूप से चुनी जाती है। यद्यपि, उत्तर समान कानूनी फर्म द्वारा दायर किए जाते हैं परंतु सूचना देने के लिए चुने गए वर्ष समान मानदंडों के लिए सभी उत्तरों में अलग-अलग हैं।
- vi. प्रश्नावली के उत्तरों का अगोपनीय रूपांतर पूर्णतः अपर्याप्त है। संबंधित हितबद्ध पक्षकार ने वह सभी सूचना प्रकट नहीं की है जिसे उन्हें नियमों के तहत और इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई जा

रही परिपाटी के अनुसार अनिवार्य रूप से प्रकट करना चाहिए था। यहां तक कि जो सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है उसे भी अगोपनीय रूपांतर में प्रकट नहीं किया गया है।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

23. निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. याचिकाकर्ता ने सीमाशुल्क एवं प्रशुलक नियमावली, 1995 के नियम 7 का उल्लंघन करते हुए अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ii. इस याचिका को अगोपनीय रूपांतर में समुचित रूप से सूचीबद्ध नहीं किया गया है और लागत संबंधी सूचना नहीं दी गई है। डीजीएडी को चाहिए था कि वे याचिका में निहित सूचना के आधार पर वर्तमान जांच की शुरुआत न करते।
- iii. लागत संबंधी सूचना, याचिका का खंड vi नहीं दी गई है और उसे पूर्णतः गोपनीय रखा गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

24. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया है।
25. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच पाटनरोधी नियमावली में निहित प्रावधानों और डब्ल्यूटीओ करार के अनुसार गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावों को जहां भी आवश्यक था, स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है।

छ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार तथा सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। इसके अतिरिक्त कोई भी निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान किए जाने के लिए योग्य होने हेतु क्षेत्राधिकार से विकसित सभी शर्तों को पूरा नहीं करते। इस प्रकार, चीनी उत्पादक की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता।
- ii. सामान्य मूल्य विधिवत रूप से समायोजित करके भारत में उत्पादन लागत के आधार पर निर्मित किया गया है।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- i. चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर 11 दिसंबर, 2016 के बाद प्रदान किया गया था। उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और चीन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातकों द्वारा अपने उत्तर में दी गई सूचना के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ii. किसी भी सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद-2 के अनुसार करना।
- iii. देश के अनुरूप आंकड़ों को लागू करने के बजाए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए इस उत्तर में कंपनी द्वारा दी गई लागत और कीमतों संबंधी आंकड़े लागू करना।
- iv. पाटन मार्जिन जांच की अवधि में नकारात्मक है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन की वस्तुस्थिति जांच अवधि के आधार पर सिद्ध है, जांच अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए अकेले संगत, उचित और आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 है। चूंकि जांच की अवधि के दौरान अनुच्छेद-15 अस्तित्व में था अतः प्राधिकारी उस सिद्धांत का प्रयोग कर सकते थे जोकि घरेलू कीमतों अथवा चीन में लागत के साथ सख्त तुलना के आधार पर नहीं हैं, यदि विचाराधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दर्शा सकते कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान वस्तु का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। चीन जन.गण. को नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग निर्यातकों द्वारा अवधारणा के खंडन के अध्यधीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है।

29. जांच की शुरुआत के स्तर पर प्राधिकारी ने इस अवधारणा के साथ कार्रवाई की कि चीन जन.गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। जांच की शुरुआत पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और अपनी बाजार अर्थव्यवस्था के स्तर के निर्धारण के लिए संगत सूचना दें। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8(3) में उल्लिखित मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन सरकार से भी अनुरोध किया वे चीन में स्थित उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें।

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ज्ञात चीनी उत्पादकों/निर्यातकों तथा चीनी सरकार को निर्धारित रूप एवं तरीके में सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता के संबंध में पर्याप्त रूप से सूचित किया गया था तथा इस संबंध में उन्हें अनुरोध करने के लिए पर्याप्त अवसर भी दिया गया था। चीन के किसी भी निर्यातक/आयातक ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया और बाजार अर्थव्यवस्था की प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया।

31. उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर तथा किसी भी चीनी निर्यातक कंपनी द्वारा गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन न किए जाने की स्थिति में प्राधिकारी वर्तमान जांच में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानना उपयुक्त समझते हैं और चीन जन.गण. के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार कार्रवाई करते हैं।

32. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री कीमत, अथवा बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य, अथवा भारत सहित किसी अन्य देश को ऐसे किसी देश से निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी पर्याप्त लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में दी गई अथवा देय कीमत सहित किसी अन्य उपयुक्त आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।

33. उपर्युक्त के मद्देनजर भारत में चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विचार करके "किसी अन्य आधार" पर तथा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों और उपयुक्त लाभ मार्जिन उपयुक्त रूप से जोड़ने के बाद निर्धारित किया गया है। सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग के सर्वाधिक दक्षक घटक के लिए अनुमत स्तरों पर प्रमुख कच्ची सामग्री, परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीए आदि पर विचार करते हुए निर्मित किया गया है। इसके अतिरिक्त, ब्याज को हटाकर 5 प्रतिशत बिक्री लागत उपयुक्त लाभ के निमित्त जोड़ी गई है। तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद का कार्यगत सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन की निम्नलिखित तालिका में दर्शाए गए अनुसार है।

निर्यात कीमत

34. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी जिसमें उन्हें सलाह दी गई कि वे निर्धारित प्रपत्र एवं तरीके से सूचना उपलब्ध कराएं। संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों एवं निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए। संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए और निर्यात कीमत के ब्यौरे देते हुए सूचना प्रदान की।

- i. हेजियन यिंगझोऊ कैमिकल कंपनी लि., चीन, जोकि भारत को सीधे ही संबद्ध सामानों का निर्यात करने वाला उत्पादक एवं निर्यातक है।
- ii. सुझोऊ लोसिन ऑक्सीलरीज कंपनी लिमिटेड संबद्ध सामानों का एक उत्पादक है जो अपने संबंधित पक्षकार वूजियांग सिटी यीलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के माध्यम से निर्यात करता है।

35. जांच की अवधि के दौरान मै. हेजियन यिंगझोऊ कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण. ने भारत को सीधे ही संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। निर्यातक ने सार-संभाल एवं देश में परिवहन, विदेशी परिवहन, बीमा और बैंक प्रभारों के निमित्त समायोजन का दावा किया। वैट की प्रतिपूर्ति न की गई राशि के निमित्त समायोजन भी किए गए हैं। सीएनवी और निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित रूप में निर्धारित की जाती है।

36. जांच की अवधि के दौरान मै. वूजियांग सिटी यीलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है जोकि मै. सुझोऊ लोसिन ऑक्सीलरीज कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. से लिए गए हैं। उत्पादक और निर्यातक ने परिशिष्ट-2 में सभी निर्यात ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक ने विदेशी भाड़ा, विदेशी बीमा, सार-संभाल एवं देश में भाड़ा, निर्यात पैकिंग खर्चों, एसजीए, ऋण व्यय और बैंक प्रभारों के निमित्त समायोजन का दावा किया है। वैट की प्रतिपूर्ति न की गई राशि के निमित्त समायोजन भी किए गए हैं। सीएनवी और निवल निर्यात कीमत निम्नलिखित रूप में निर्धारित की जाती है।

अन्य सभी असहयोगी उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

37. चीन के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों, जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया/सहयोग नहीं किया, के लिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की। संबद्ध सामानों के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण पाटन मार्जिन के लिए निम्नलिखित तालिका में उल्लिखितानुसार किया गया है।

पाटन मार्जिन

38. संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित रूप में संबद्ध सामानों के कारखानागत स्तर पर निर्मित सामान्य मूल्य और निवल निर्यात कीमत की तुलना करके किया गया है।

नाम	सीएनवी		एनईपी		डीएम		डीएम	डीएम
	रु./मी.ट.	अम.डॉ./मी.ट.	रु./मी.ट.	अम.डॉ./मी.ट.	रु./मी.ट.	अम.डॉ./मी.ट.	%	रेंज
सुझोऊ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि./वूजियांग सिटी यीलीनि फॉरिन ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***	1-10
हेजियांन यींगझोऊ कैमिकल कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***	25-35
कोई अन्य	***	***	***	***	***	***	***	30-40

39. इस प्रकार, संबद्ध देश से उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन जांच की अवधि के लिए सकारात्मक है।

क्षति निर्धारण तथा क्षति की जांच और कारणात्मक संबंध

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

40. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- जांच की अवधि के दौरान विभिन्न मानदंडों के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और कुछ अन्य मानदंडों में उसमें कमी आई है।
- निर्णायक समीक्षा की प्रकृति मूल जांच से भिन्न है क्योंकि यदि पाटनरोधी शुल्क हटाया जाए तो पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना पर अधिक जोर है। जहां क्षति की संभावना अधिक महत्वपूर्ण हो, वहां क्षति की मौजूदगी अथवा पाटन की मौजूदगी की समीक्षा के मामलों के लिए जांच किए जाने की आवश्यकता नहीं है।
- क्षति की संभावना की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की जांच की अवधि के बाद के निष्पादन को ध्यान में रखे जाने की आवश्यकता है।

- iv. जांच की अवधि के बाद के 6 माह के आंकड़े घरेलू उद्योग की वास्तविक स्थिति दर्शाते हैं जिसमें घरेलू उद्योग को यदि शुल्क बंद किया जाता है तो क्षति होना शुरू हो जाएगा। घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद जांच की अवधि के बाद क्षति हुई है। जांच की अवधि के बाद के दौरान कम कीमत पर आयात बढ़े हैं जो पाटित कीमतों पर आ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक कीमत कटौती हुई है और कारणात्मक संबंध स्थापित हुए हैं। जब पाटन मार्जिन नकारात्मक था, तो कीमत कटौती और क्षति मार्जिन नकारात्मक थे। जब पाटन मार्जिन सकारात्मक हुआ, तो कीमत कटौती तथा क्षति मार्जिन सकारात्मक हो गए।
- v. यदि ग्राहक आयातित उत्पाद की ओर जाते हैं तो उसका अभिप्राय यह होगा कि घरेलू उद्योग के उत्पाद के लिए मांग में कमी आएगी और संबद्ध उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि होगी। इस प्रकार, शुल्क बंद करने से चीन जन.गण. से आयात द्वारा घरेलू उद्योग बाजार के विस्थापित होने की संभावना है।

निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

41. सुनवाई के बाद निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं, यद्यपि, उनके द्वारा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित तारीख से एक दिन बाद अनुरोध किए गए। प्राधिकारी ने फिर भी निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है।

- i. तथाकथित पाटित आयातों और दावा की गई क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ii. क्षति मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। वस्तुतः जांच की अवधि में सभी आर्थिक मानदंड सुधार दर्शा रहे हैं।
- iii. याचिकाकर्ता ने पाटन कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतों, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां तथा विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता जैसे बिन्दुओं पर कोई टिप्पणियां जानबूझकर दायर नहीं की।
- iv. संस्थापित क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं है परंतु उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान बढ़े हैं। घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान अधिकतम क्षमता उपयोग पर भी प्रचालन किया है।
- v. जांच की अवधि के दौरान बिक्री लागत और विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमत में कमी आई है। घरेलू उद्योग का स्टॉक 48 प्रतिशत तक कम हुआ है जो सामान की बिक्री में काफी वृद्धि दर्शाता है।
- vi. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता 346 प्रतिशत तक बढ़ी है। नकद लाभ 250 प्रतिशत तक बढ़ा है जो उद्योग की अच्छी स्थिति दर्शाता है। लगाई गई पूंजी पर आय में वृद्धि हुई है। जांच की अवधि में आधार वर्ष की तुलना में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है।
- vii. घरेलू उद्योग ने गलत उल्लेख किया है कि संबद्ध देशों से आयात के कारण पाटनरोधी शुल्क न होने से भारी कीमत कटौती होगी। जांच की अवधि के दौरान और पिछले एक वर्ष में पाटित आयातों के

कारण कोई कीमत कटौती नहीं हो रही है। इस कार्य प्रणाली में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव शामिल नहीं है। घरेलू उद्योग का यह दावा कि प्राधिकारी मासिक आधार पर क्षति एवं कीमत कटौती की जांच करेंगे, सही नहीं है।

- viii. जांच याचिकाकर्ता द्वारा पर्याप्त सूचना के औचित्य के बिना शुरू की गई है। प्राधिकारी क्षति के संबंध में याचिकाकर्ता के दावों की जांच करने में विफल रहे और जांच शुरू करने से पूर्व सूचना की पर्याप्तता एवं शुद्धता की जांच नहीं की है। घरेलू उद्योग का निष्पादन यह बताता है कि चीन जन.गण. से आयातों का याचिकाकर्ता पर कोई कीमत प्रभाव नहीं पड़ा। साथ ही, सीमाशुल्क एवं प्रशुलक अधिनियम के अनुच्छेद 9 क (5) के अनुसार क्षति बार-बार होने की कोई संभावना नहीं है।

प्राधिकारी की जांच

42. प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों को ध्यान में रखा है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति का विश्लेषण किया है।

- i. प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण यथा तथ्यतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।
- ii. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II(iv) के अनुसार घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे तथ्यों पर विचार किया है।
- iii. इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर विचार करते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश से आयातों के कारण पाटन एवं क्षति की संभावना के पहलू की जांच करने के लिए कार्रवाई करने से पूर्व घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति, यदि कोई है, की जांच करने की कार्रवाई करते हैं।
- iv. इस जांच में जांच की अवधि अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 है। क्षति जांच अवधि में 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि (पीओआई) शामिल है। जांच की अवधि के बाद अर्थात् अप्रैल, 2016 से सितंबर, 2016 (जिसे यहां पर जांच की अवधि के बाद के रूप में उल्लिखित किया गया है) के आंकड़ों की भी पाटन एवं क्षति की संभावना निर्धारित करने के लिए जांच की गई है।

(i) मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

43. संबद्ध वस्तुओं की घरेलू मांग/ स्पष्ट खपत के आकलन के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत में कुल आयातों में जोड़ा गया है। डीजीसीआई एंड एस से आयात डाटा प्राप्त किया गया और यह पाया गया है कि डीजीसीआई एंड एस में अभिग्रहित, पीओआई के दौरान भारत में आयातित संबद्ध वस्तुओं की मात्रा सहयोगी निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की तुलना में कम है, जैसा कि उनके उत्तर में दावा किया गया है। यह इस तथ्य के कारण हो सकता है

कि कुछ पत्तनों से आयातों को पूरी तरह से अभिग्रहित नहीं किया गया है या संबद्ध वस्तुएं विभिन्न अन्य विविध एचएस कोडों के तहत आ रहे हैं। प्राधिकारी ने दावा की गई मात्रा को निर्यातक के उत्तर से भारत को निर्यातित किया गया माना है और इसे निम्नानुसार संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया है:

विवरण	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	3,707	3,140	3,682	4,044
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एमटी	3,201	3,748	3,804	3,789
आयात - संबद्ध देश	एमटी	1,705	2,564	983	1,578
आयात - अन्य देश	एमटी	-	9	2	0
कुल मांग	एमटी	8,613	9,460	8,472	9,411

44. उपर्युक्त से देखा जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग पिछले वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान बढ़ी है और आधार वर्ष की तुलना में भी, 2013-14 में बढ़ी है किंतु 2014-15 में इसमें कमी आई है।

(ii) पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग प्रभाव
आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

45. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में कुल रूप में या तो उत्पादन के या खपत के सापेक्ष पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नीचे सारणी में आयात मात्रा और बाजार हिस्से के संबंध में वास्तविक स्थिति को संक्षिप्त रूप में दिया गया है:

विवरण	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
संबद्ध देश	एमटी	1,705	2,564	983	1,578
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	58	93
अन्य देश	एमटी	-	9	2	0
जोड़	एमटी	1,705	2,572	986	1,578
कुल मांग	एमटी	8,613	9,460	8,472	9,411
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	98	109
निम्नलिखित के संबंध में संबद्ध देश से आयात					
कुल आयात	%	100%	99.66%	99.75%	100%
भारतीय मांग	%	20%	27%	12%	17%

46. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि संबद्ध देश से आयात पूर्ण रूप से पीओआई के दौरान और साथ ही पिछले वर्ष की तुलना में कुल आयात और भारत में कुल मांग के संबंध में वृद्धि हुई है, हालांकि आधार वर्ष 2012-13 और 2013-14, की तुलना में यह घट गया है।

(iii) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

47. कीमत प्रभाव के संबंध में, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किए जाने की जरूरत है कि क्या कथित पाटित आयातों से महत्वपूर्ण कीमत में कमी आई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा रूप से अत्यधिक सीमा तक कीमतों को ह्रास करता है या कीमत में वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा रूप से घटित होती। संबद्ध देश से कथित पाटित आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत में कटौती, कीमत में कमी करना, कीमत का दमन और कीमत अवसाद के संबंध की जांच की जाती है, यदि कोई हो तो। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की संबद्ध देश से आयातों की पहुंच लागत के साथ तुलना की गई है।

क. कीमत में कमी

48. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा रूप से उल्लेखनीय स्तर तक कीमतों में कमी करते हैं या कीमत में वृद्धि को रोकते हैं जो अन्यथा उल्लेखनीय सीमा तक घटित हुए होते। इस संबंध में, आयातों की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योगों की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों को एक्स-फैक्ट्री स्तर पर निर्धारित किया गया है।

49. जांच की अवधि के दौरान, संबद्ध वस्तुओं की भारत में घरेलू बिक्री कीमत के साथ निर्यात कीमत की तुलना द्वारा कीमत में कमी का आकलन किया गया है जैसा कि निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
निवल बिक्री वसूली	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत में कमी	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत में कमी	%	***	***	***	***
कीमत में कमी	% - रेंज	0-10%	ऋणात्मक	ऋणात्मक	0-10%

50. उपर्युक्त से, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि संबद्ध देश से आयात पीओआई के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत के मामूली 2% से कटौती कर रही है। इसके अलावा, यह आधार वर्ष में 6% से कम होकर 2% पीओआई में आ गया है। 2013-14 और 2014-15 के दौरान अंडरकटिंग नकारात्मक था इसलिए, प्राधिकरण ने निष्कर्ष निकाला है कि अंडरकटिंग महत्वपूर्ण नहीं है

ख. कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

51. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का ह्रास या न्यूनीकरण कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव उल्लेखनीय स्तर तक कीमतों का न्यूनीकरण करता है या कीमत में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा रूप से महत्वपूर्ण स्तर तक घटित होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि में लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया है। स्थिति को नीचे सारणी के अनुसार दर्शाया गया है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आयातों की पहुंच कीमत बिना ए डी डी	रु./एमटी	103330	126520	138080	115020
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	134	112
आयातों की पहुंच कीमत ए डी डी के साथ	रु./एमटी	1,17,539	1,42,341	1,54,119	1,32,157
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	131	112
बिक्री की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	105	87
बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	120	107

52. प्राधिकरण नोट करते हैं कि कि आधार वर्ष के मुकाबले पीओआई के दौरान बिक्री की कीमत में गिरावट आई है, जबकि इसी अवधि के दौरान विषय वस्तु का शुद्ध बिक्री मूल्य बढ़ गया है। आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान आयात की कीमत बढ़ी है। बेसिक वर्ष की तुलना में बिक्री की कीमत 13% की कमी हुई लेकिन अवधि के दौरान बिक्री मूल्य 7% की वृद्धि हुई। इसलिए, प्राधिकरण को कोई कीमत ह्रास/न्यूनीकरण नहीं मिल रहा है।

(iv) घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

53. पाटनरोधी नियमावली का अनुबंध II के अनुसार जरूरी है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यात्मक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमों में आगे यह व्यवस्था की गई है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का उद्देश्यमूलक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा जिनमें उद्योग की स्थिति पर असर पड़ता है जिनमें बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्से, उत्पादकता निवेशों पर वापसी या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन का परिमाण, नकदी प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी वृद्धि, पूंजी निवेशों को जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है।

54. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों का यहां नीचे विश्लेषण किया गया है:

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

55. उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग संबंधी विवरण निम्नानुसार है :

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
क्षमता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	एमटी	***	***	***	***

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	101	109
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	102	109
विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	99	109

56. उक्त जानकारी से, प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष साथ ही पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ख. बाजार हिस्से में मांग

57. मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के विवरण नीचे सारणी में दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
चीन ज.ग.	%	20%	27%	12%	17%
अन्य देश	%	0%	0%	0%	0%
घरेलू उद्योग	%	43%	33%	43%	43%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	37%	40%	45%	40%

58. यह देखा गया है कि घरेलू उत्पादकों की बाजार में हिस्सेदारी जांच की अवधि में बढ़ी है और विषय देश से आयात की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है।

ग. लाभ प्रदता, निवेश पर वापसी और नकद लाभ

59. लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
लाभ/(हानि)	रु./एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(80)	345	514
लाभ/(हानि)	रु. लाख में	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(67)	343	561
नकद लाभ	रु. लाख में	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	931	7,990	11,129
पूंजी पर वापसी नियोजित	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(66)	231	278

60. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि लाभप्रदता, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर वापसी ने चोट अवधि के दौरान कई गुना बढ़ी है, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग इन मानकों पर चोट नहीं उठा रहा है।

घ. माल सूची

61. घरेलू उद्योग के पास माल सूची निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
अथ शेष	एमटी	***	***	***	***
अंत शेष	एमटी	***	***	***	***
औसत	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	67	69	52

62. यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि में विषय वस्तु का औसत इन्वेंट्री स्तर काफी हद तक गिरावट आई है, जो घरेलू उद्योग के स्वास्थ्य में सुधार का संकेत है।

ड. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

63. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	100	109
मजदूरी	रु. लाख में	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	140	119
उत्पादकता/कर्मचारी	एमटी/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	101	99

64. उपर्युक्त से यह देखा गया है कि आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान रोजगार और मजदूरी में वृद्धि हुई है। प्रति कर्मचारी उत्पादकता आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में कुल मिलाकर वही बनी हुई है।

च. वृद्धि

65. सालाना आधार पर गणना के अनुसार घरेलू सामान की घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन इस प्रकार है:

प्रति वर्ष वृद्धि	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
उत्पादन	%		***	***	***
घरेलू बिक्री मात्रा	%		***	***	***
घरेलू बिक्री मूल्य	%		***	***	***
क्षमता उपयोग	%		***	***	***
बिक्री की कुल घरेलू लागत	%		***	***	***
कुल घरेलू बिक्री कीमत	%		***	***	***

प्रति यूनिट कुल घरेलू लाभ/हानि	%		***	***	***
नियोजित पूंजी पर वापसी	%		***	***	***

66. यह देखा गया है कि 2013-14 की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग, लाभप्रदता और निवेश पर वापसी के मामले में पीओआई में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है, हालांकि यह 2014 की तुलना में बहुत स्पष्ट नहीं है।

चोट के अस्तित्व पर समग्र निष्कर्ष

67. पूर्ववर्ती पैराशंस में चोट विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर मापदंडों पर, डि की स्थिति में काफी सुधार हुआ है, और वे चोटों का सामना नहीं करते हैं। केवल कुछ मापदंड जैसे मूल्य अंडरकटिंग शो कुछ चोटों का अस्तित्व। इसलिए प्राधिकरण ने इसे चोट के परिमाण के अगले चरण पर जाने के लिए आवश्यक माना।

क्षति का आकार और क्षति मार्जिन

68. अनुबंध-3 के नियमों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के गैर-हानिकारक मूल्य को देश के सहकारी निर्यातकों द्वारा निर्यात किए गए देश के मूल्य के साथ तुलना की जा रही है। पीओआई के दौरान चोट मार्जिन के निर्धारण के लिए और इस तरह से हुई चोट मार्जिन निम्नानुसार है:

नाम	एन आई पी		लैंडेड वैल्यू		आई एम		आई एम	आई एम
	रु./एमटी	अम.डॉ./मी.ट.	रु./एमटी	अम.डॉ./मी.ट.	रु./एमटी	अम.डॉ./मी.ट.	%	रेंज
सुझोऊ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि./वूजियांग सिटी यीलीनि फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***	नकारात्मक
हेजियान यिंगझोऊ केमिकल कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***	10-20
कोई अन्य	***	***	***	***	***	***	***	15-25

69. प्राधिकरण नोट करता है कि दो सहकारी निर्माता मैसर्स सुझहौ लुसोन ऑक्सीलरीज कंपनी लिमिटेड के माध्यम से निर्यात के माध्यम से एम / एस वूजियांग सिटी यिलिन विदेशी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने मूल जांच के दौरान सह-संचालित किया था जांच की जांच एनआईपी और निर्यातक के उतराए गए मूल्य की तुलना की गणना की गई चोट मार्जिन नकारात्मक है। अन्य निर्माता / निर्यातक मैसर्स हेजियन यिंगझोऊ केमिकल कंपनी लिमिटेड के लिए, जो वर्तमान समीक्षा जांच के दौरान ही प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित हुए हैं, चोट का अंतर सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। इसके संदर्भ में, यह नोट किया गया है

कि मैसर्स सूज़ौ ल्यूसन्स ऑक्सिलरीज कंपनी लिमिटेड से आयात के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए कोई चोट नहीं है। मैसर्स वुजियांग सिटी टिलिन विदेशी ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से निर्यात करना है लेकिन अन्य निर्यातकों के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए एक चोट मैसर्स वुजियांग सिटी टिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से निर्यात के कारण चोटों की अनुपस्थिति को देखते हुए मैसर्स सूज़ौ लुसोन ऑक्सिलरीज कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकरण द्वारा भी संभावना मापदंडों का विश्लेषण किया है।

ज. पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति की संभावना

70. चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है और निरंतर पाटन और परिणामतः क्षति के संभावित परिदृश्य के लिए जांच की जानी है यदि पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त किए जाने की अनुमति दी जाती है। प्राधिकारी ने मापदंडों पर विचार किया है जैसा कि पाटन और क्षति की निरंतरता या पुनरावृत्ति की संभावना की जांच करने के लिए नियमों में उल्लेख किया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

71. पाटन के जारी रहने और परिणामस्वरूप क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. जांच की अवधि में और पीओआई पश्च अवधि के दौरान भी चीन से आयात महत्वपूर्ण थे। पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में आयात मात्रा को और गहन होने की संभावना है।
- ii. आयात कीमतों जांच की अवधि में एक स्तर तक गिरे हैं जो मूल जांच के स्तर से भी नीचे है। यह स्पष्ट रूप से पाटनरोधी शुल्क के समाप्ति की स्थिति में आयात कीमतों को दर्शाता है। आयात कीमत में गिरावट घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रही है।
- iii. इस बात के आकलन के लिए कि क्या क्षति जारी रहेगी या पुनरावृत्ति होगी, प्राधिकारी द्वारा पाटित आयातों, कीमतों और घरेलू उद्योग पर प्रभाव के प्रक्षेपित स्तरों पर आधारित, भविष्य की स्थितियों का विश्लेषण किए जाने की जरूरत है।
- iv. इस खतरे की जांच के लिए संगत पैरामीटर, मुख्य रूप से निर्यातकों के व्यवहार से संबंधित हैं जैसे आयातों में वृद्धि की दर, निर्यातकों के पास अनुपयोगी क्षमता, निर्यातकों के पास मालसूची। कोई भी पैरामीटर घरेलू उद्योग के वास्तविक निष्पादन से संदर्भित नहीं है।
- v. जहां क्षति मापदंड क्षति की संभावना को निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त किया गया है, यह सोचा जा सकता है कि “ये आशंका से पूर्ण पैरामीटर्स” हैं और इसलिए इन्हें “तदनुसार लागू किए जाने की आवश्यकता” है।
- vi. संबद्ध देश में उत्पादकों के पास मुक्त रूप से डिस्पोजेबल क्षमताएं भारतीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं। अकेले सूज़ौ लाजेन ऑक्सिलरीज कंपनी लि., जिसने मूल साथ ही वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है, पीएनए के उत्पादन के लिए 20,000 मी.ट. की वार्षिक उत्पादन क्षमता होने का दावा किया है।

- vii. पाटनरोधी शुल्क के बिना जांच की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है। जांच की अवधि के आरंभ में कीमत कटौती नकारात्मक थी, जांच की अवधि के अंत में सकारात्मक हो गई और जांच के बाद की अवधि में भारांशित औसत आधार पर भी सकारात्मक थी। यह स्पष्ट रूप से स्थापित करता है कि पाटनरोधी कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश करने की संभावना है जिस कारण महत्वपूर्ण कीमत कटौती और मूल्यह्रास की संभावना हो सकती है। विदेशी उत्पादक निर्यातों पर गहन रूप से केंद्रित हैं।
- viii. घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और तब आयात कीमत के अनुसरण में वर्तमान अवधि में उसमें ह्रास हुआ है।
- ix. घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ था जब आयात कीमत उचित थी और घरेलू उद्योग के निष्पादन में एक बार फिर ह्रास आया जब आयात कीमत में असंतुलित स्तरों तक गिरावट आई। घरेलू उद्योग का मासिक निष्पादन दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आयात कीमत के साथ-साथ गति कर रही है।
- x. आयात कीमत में महत्वपूर्ण कमी आई है और कीमतें घरेलू कीमतों में कटौती कर रही हैं। कीमत कटौती पीओआई पश्च विश्लेषण में सकारात्मक है।
- xi. घरेलू उद्योग उत्पाद और भारतीय बाजार की संवेदनशील कीमत के लिए कमजोर है।

निर्यातकों का अनुरोध

72. सीमा शुल्क और टैरिफ अधिनियम के अनुच्छेद 9 क (5) के अनुसार क्षति की पुनरावृत्ति की कोई संभावना नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

73. प्राधिकारी ने नियमों के अनुबंध II (vii) की शर्तों में पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति की संभावना की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग के विवाद की जांच की है। नियमों के अनुबंध II के खंड (vii) में अन्य बातों के साथ-साथ चार कारकों की व्यवस्था की गई है, जिनको ध्यान में लिया जाना जरूरी है, अर्थात :

- i. भारत में पाटित आयातों की वृद्धि की महत्वपूर्ण दर उल्लेखनीय रूप से बढ़े हुए आयातों की संभावना की ओर संकेत करते हैं;
- ii. निर्यातकों की
- iii. क्षमता में एक आसन्न या पर्याप्त मुक्त रूप से निस्तारणीय महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि किसी अतिरिक्त निर्यातों को विलयित करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, भारतीय बाजारों में महत्वपूर्ण रूप से बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना की ओर संकेत करती है;
- iv. क्या आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं जिनका घरेलू कीमतों पर दमनकारी या ह्रासात्मक प्रभाव होगा और संभवतः अधिक आयातों की मांग में वृद्धि करेगा; और
- v. वस्तु की माल सूचियों की जांच की जा रही है।

क. जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान आयातों की मात्रा

74. संपूर्ण क्षति अवधि, पीओआई और पश्च पीओआई में चीन ज.ग. से आयातों की मात्रा नीचे सारणी में दी गई है:

	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई	पश्च पीओआई अप्रैल से सितम्बर 2016 तक
डीजीसीआईएस के अनुसार	1705	2564	983	1423	1387

75. आयातों की मात्रा की जांच से पता चलता है कि बेस साल की तुलना में जांच के दौरान आयात की मात्रा में गिरावट आई है, हालांकि, छह महीने के बाद पीओआई के दौरान आयात स्पष्ट रूप से आयात में तेजी से बढ़ोतरी दिखाती है विरोधी डंपिंग शुल्क बल में है।

ख. अतिरिक्त क्षमताएं और निर्यात की स्थिति

76. महत्वपूर्ण क्षति के जोखिम का पता लगाने के लिए इस पैरामीटर द्वारा विद्यमान अधिशेष क्षमताओं के मूल्यांकन और क्षमता परिवर्धन, यदि कोई हो, के द्वारा भारतीय उद्योग को निस्तारणीय मात्रा के विपणन की संभावना का अन्वेषण करने की आवश्यकता है।

77. निर्यातकों के जवाब में दिए गए आंकड़ों / दावे से पता चलता है कि विषय वस्तु के लिए चीन में उत्पादकों / निर्यातकों के साथ अधिशेष क्षमताएं हैं। हालांकि, अधिशेष / अप्रयुक्त क्षमता का स्तर महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि डंपिंग और चोट आई की संभावना का संकेत मिलता है। इसके अलावा, नीचे दी गई तालिका में पता चलता है कि चीनी उत्पादकों के पास पर्याप्त निर्यात अभिविन्यास है।

उत्पादक का नाम	क्षमता (एमटी)	उत्पादन (एमटी)	घरेलू उपयोगिता	भारत को निर्यात	आरओडब्ल्यू को निर्यात	कुल निर्यात	निर्यात %
सूजौ लाउसेन ऑक्सीलिएरीज कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***
हेजियान यिंग्सू केमिकल कं. लि.	***	***	***	***	***	***	***
जोड	***	***	***	***	***	***	***

ग. संबद्ध वस्तुओं की माल सूची

78. सूजौ लाउसेन ऑक्सीलिएरीज कं. लि., चीन द्वारा दायर प्रश्नावली उत्तर उत्पादक के पास माल सूचियों के विवरण की ओर संकेत करती है और इसमें निम्नानुसार क्षति अवधि और पीओआई में वृद्धि हुई है। हेजियान यिंगझाउ केमिकल कं. लि. ने उनके पास माल सूचियों का विवरण नहीं दिया है।

उत्पादक	2014	2015	पीओआई
सूजौ लाउसेन ऑक्सीलिएरीज कं. लि.	***	***	***
हेजियान यिंगझाउ केमिकल कं. लि.	Nil		

79. निर्यातकों जो कुछ माल दिखाते हैं, ने डी को चोट नहीं पहुंचाई है। अन्य निर्यातक की कोई सूची नहीं है।

पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना का निष्कर्ष

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रश्नावली के अपने उत्तर में घरेलू उद्योग और निर्यातक द्वारा दायर सूचना के मुद्देनजर यह देखा जाएगा कि आधार वर्ष की तुलना में, तथापि, जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के बाद की अवधि में आयात की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान आयात की मात्रा में कमी हुई है। मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. के माध्यम से निर्यात करने वाली एक उत्पादक मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. के पास माल सूची के स्तर में सतत वृद्धि के साथ-साथ पर्याप्त उत्पादन क्षमताएं हैं। तथापि, उपयोग में लाई गई क्षमताएं काफी हैं और जो भी उत्पादन इस समय हो रहा है, वह विभिन्न देशों को निर्यात किया जा रहा है तथा इन निर्यातों को भारत में भेजने के लिए कोई प्रबल संकेतक प्रतीत नहीं होता। साथ ही माल सूची में वृद्धि काफी नहीं है जिससे यह निष्कर्ष निकले कि वे पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में समाप्त होंगे। उपर्युक्त के मुद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. के माध्यम से निर्यात करने वाली मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना नहीं है।

ट. कारणात्मक संबंध और अन्य ज्ञात कारकों का गैर-आरोपन विश्लेषण

81. घरेलू उद्योग की कीमतों पर निरंतर जारी पाटन क्षति की विद्यमानता, मात्रा और पाटित आयातों के कीमत प्रभाव की जांच करते हुए, इसके कीमत कटौती और कीमत दमन और कीमत ह्रास के प्रभावों के रूप में, पाटनरोधी पर भारतीय नियमों और करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक पैरामीटरों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अतिरिक्त, कोई अन्य कारक निम्नानुसार घरेलू उद्योग की क्षति में अंशदान कर सकता है।

क. तीसरे देश से आयातों की मात्रा और कीमत :

82. संबद्ध देश के अतिरिक्त देशों से आयातों का विवरण दर्शाता है कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात न्यूनतम स्तरों से कम स्तर पर प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए अन्य देशों से आयातों को घरेलू उद्योग का क्षति का कारण नहीं समझा जा सकता।

ख. मांग में संकुचन और/या खपत के पैटर्न में परिवर्तन

83. संबद्ध वस्तुओं की समग्र मांग में क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक वृद्धि दर्शायी है। यह भी नोट किया गया है कि खपत के पैटर्न में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया है न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई निवेदन किया है।

ग. विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधक और प्रतिस्पर्धा

84. कोई व्यापार प्रतिबंधक पद्धतियां नहीं हैं जो घरेलू उद्योग को क्षति में अंशदान कर सकती थीं क्योंकि कच्ची सामग्री तथा संबद्ध वस्तुएं देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। घरेलू उद्योग एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और इसी समय वे संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत के साथ भी प्रतिस्पर्धा करती हैं।

घ. प्रौद्योगिकी में विकास :

85. संबंधित उत्पादन के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले कारक के रूप में नहीं माना जा सकता।

ड. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन :

86. घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करता है। तथापि, घरेलू और निर्यात मार्केट में कीमत और लाभप्रदता को वर्तमान क्षति आकलन के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी द्वारा पृथक-पृथक किया गया है। इसलिए, निर्यात निष्पादन इस विवरण में प्राधिकारी द्वारा।

अन्य उत्पादों का निष्पादन:

87. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन का संबद्ध उत्पाद के सूचित निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं है। दावा की गई क्षति संबद्ध सामानों के कारण है।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

88. हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन पश्चात अनुरोध प्राप्त किए गए हैं। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां/अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच निम्नलिखित रूप में की गई है:

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध:

89. ये अनुरोध सारांश में निम्नलिखित रूप में किए गए हैं:

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच में नई जांच के सिद्धांतों को लागू किया है। क्षति की नई जांच के रूप में जांच की गई है। घरेलू उद्योग पर आयात का प्रभाव अनुबंध-II (IV) के संबंध में देखा गया है।

ख. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में अनिवार्य तथ्य प्रकट नहीं किए हैं। प्रकटन में यह प्रकट नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति हो रही है अथवा उसे निरंतर क्षति नहीं हो रही है।

ग. संभावना के मानदंडों की प्राधिकारी द्वारा की गई जांच प्रकट नहीं की गई है और साथ ही संभावना की जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा माने गए तथ्य प्रकटन विवरण में प्रकट नहीं किए गए हैं।

- घ. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तर्कों को ही दोहराया है तथा उनके द्वारा विचार किए गए तथ्यों को प्रकट नहीं किया गया है।
- ङ. प्राधिकारी ने तीसरे देशों के निर्यात में क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन की जांच नहीं की है। प्रकटन विवरण क्षति मार्जिन प्रकट किए बिना अपूर्ण है और यदि क्षति मार्जिन का प्रकटन आवश्यक नहीं है तो प्राधिकारी को उसका उल्लेख करना आवश्यक था।
- च. प्राधिकारी ने उत्पादक वार क्षति मार्जिन प्रकट नहीं किया है और वह नियम 16 के अनुरूप नहीं है। प्राधिकारी ने केवल भारित औसत प्रकट किया है, अतः घरेलू उद्योग उस पर टिप्पणी करने में असमर्थ है और यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है।
- छ. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को स्वीकार नहीं किया है अथवा उन मुद्दों का समाधान करने में विफल रहे हैं।
- ज. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के माह-वार निर्धारण के मुद्दे का समाधान नहीं किया है। प्राधिकारी ने कहीं भी यह समाधान नहीं किया कि कीमत कटौती आरंभ में नकारात्मक थी और वह जांच की अवधि के अंत तक नकारात्मक शुरू हुई। साथ ही जांच की अवधि के बाद भारित औसत पर पर्याप्त कटौती है जो क्षति की संभावना दर्शाती है।
- झ. आयात कीमतें जांच की अवधि में मूल जांच की अवधि से भी नीचे गिरी हैं। यह वर्तमान पाटनरोधी शुल्क के बंद होने पर क्षति की संभावना को सिद्ध करता है।
- ञ. घरेलू उद्योग उत्पादक और भारतीय बाजार की कीमत संवेदनशीलता के प्रति सुभेद्य है।
- ट. चीन से आयात जांच की अवधि में काफी थे और वे उसके बाद भी तथा वर्तमान जांच की अवधि में भी काफी रहे।
- ठ. वर्तमान में पाटित आयातों से कीमत ह्रास तथा न्यूनीकरण हुआ। वर्तमान शुल्क को बंद करने पर घरेलू उद्योग उत्पादन लागत से भी कम कीमत करने के लिए मजबूर हो जाएगा जिससे भारी वित्तीय हानि होगी।
- ड. निर्दिष्ट प्राधिकारी को शुल्क बंद करने के संभावित परिणामों की जांच करना अपेक्षित है। वर्तमान स्थिति का सुधार वर्तमान शुल्क का परिणाम है। प्राधिकारी को वर्तमान सुधारों के अलावा क्षति के बार-बार होने की संभावना की जांच करना अपेक्षित है।
- ढ. अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन का अभिप्राय उन तथ्यों का प्रकटन है जो निर्धारण का आधार बनते हैं। यदि प्राधिकारी अनिवार्य सूचना प्रकट नहीं करते तो हितबद्ध पक्षकार प्रकटन विवरण पर कोई टिप्पणी देने में समर्थ नहीं होंगे।
- ण. यदि प्राधिकारी केवल घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों को दोहराते हैं तो इसका अभिप्राय यह होगा कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है अथवा प्राधिकारी ने अनिवार्य तथ्य प्रकट नहीं किए हैं।

- त. प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कुछ तथ्यों को प्रकट करें ताकि हितबद्ध पक्षकार निर्यात-वार क्षति मार्जिन जैसी टिप्पणियां दे पाएं। यह तथ्य एक अनिवार्य तथ्य है और उसे प्रकट न करने से प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन होगा।
- थ. प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे संबद्ध देश से निर्यातक/उत्पादक की सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय रूपांतर प्रकट करें।
- द. प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे विरोधी पक्षकारों को भेजे गए पत्रों और उनके उत्तरों की प्रति का अगोपनीय रूपांतर प्रस्तुत करें। साथ ही निर्धारित क्षति रहित कीमत का पूर्ण विस्तृत ब्यौरा प्रकट करें।
- ध. प्राधिकारी द्वारा वास्तविक पाटन मार्जिन प्रकट किया जाना चाहिए। वह अंतिम जांच परिणाम के समय प्रकट किया जा रहा है। अंतिम जांच परिणाम के समय कोई भी अगोपनीय तथ्य प्रकटन विवरण के समय गोपनीय नहीं माना जा सकता। असहयोगी निर्यातक का पाटन मार्जिन घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर आधारित है, अतः इसका कोई कारण नहीं है कि उसे गोपनीय रखा जाए।
- न. क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए अपनाया गया वास्तविक आंकड़ा प्रकट किया जाना चाहिए।
- प. तीसरे देश का निर्यात निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में कहीं भी प्रकट नहीं किया गया है जो निर्णायक समीक्षा के मामलों के लिए अथवा प्रकटन विवरण में निर्धारित है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या ऐसे निर्यात पर इस संभावना का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है।
- फ. निर्यातक-वार अलग-अलग पाटन मार्जिन प्रकट किया गया है परंतु क्षति मार्जिन प्रकट नहीं किया गया है। प्राधिकारी द्वारा दिए गए अनुसार ऐसा करने का कोई कारण नहीं है।
- ब. हेजियन थिंगझोउ केमिकल कं. द्वारा दायर उत्तर पूरा नहीं है और माल सूची के संबंध में सूचना नहीं दी गई है। इस आधार पर उत्तर को पूर्णतः रद्द किया जाना चाहिए। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या दोनों निर्यातकों ने विभिन्न देशों को निर्यात के बीजक वार ब्यौरे प्रदान किए हैं।
- भ. बिना कोई आवश्यक परिवर्तन किए संभावना के विश्लेषण के लिए अनुबंध-II (vii) लागू करना नियम 23(3) का गलत अनुप्रयोग है।
- म. घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना के निर्धारण के लिए आवश्यक परिवर्तनों के साथ वास्तविक क्षति मानदंडों के खतरे पर विचार किया गया है।
- य. संबद्ध देश के पास भारी अधिशेष क्षमता है। मूल तथा वर्तमान जांच में मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. द्वारा दायर उत्तर यह दर्शाता है कि उनके पास अतिरिक्त क्षमता है।
- कक. पिछले जांच में निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन वास्तविक रूप से अधिक था। विचाराधीन उत्पाद के लिए भारतीय बाजार अत्यधिक कीमत संवेदनशील है।

- खख. विदेशी उत्पादक निर्यात पर पूरा ध्यान दे रहे हैं, जैसा कि पूर्व में दिए गए साक्ष्य से सिद्ध है। शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में इन निर्यातकों की पाटित कीमतों पर भारत को अपना आयात बढ़ाने की पूरी संभावना है।
- गग. प्राधिकारी को क्षति की संभावना की मौजूदगी अथवा गैर मौजूदगी का निष्कर्ष निकालने के लिए निर्णायक समीक्षा जांच के मामले में क्षति मार्जिन और एनआईपी पर कोई विश्वास पर क्षति को देखने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह गुजरात उच्च न्यायालय के विरुद्ध जाएगा।
- घघ. प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण कहीं भी याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए उपर्युक्त मुद्दे को नहीं देखता और प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में कोई क्षति न होने के बावजूद पाटन मार्जिन निर्धारित किया है।
- ङङ. शुल्क को शुल्क के निर्धारित स्वरूप में होना चाहिए और उसे अमेरिकी डॉलर में व्यक्त किया जाना चाहिए।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों द्वारा किए गए अनुरोध

90. ये अनुरोध सारांश में निम्नलिखित हैं:

- क. दिनांक 11 दिसंबर, 2016 को एनएमई स्तर समाप्त होने के बाद चीन जन गण को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए और विश्व व्यापार संगठन ने चीन जन गण की पहुँच संबंधी नयाचार की धारा 15(क)(ii) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांत का प्रयोग करते हुए तीन उत्पादों की पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए विश्व व्यापार संगठन के करारों के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है। इस प्रकार की कोई कार्रवाई शुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार, 1994 ("पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन के संबंध में करार की अपेक्षाओं और अन्य शामिल करारों के विपरीत होगी।
- ख. चीन के सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद II के अनुसार होना चाहिए; और इस उत्तर में कंपनी द्वारा दिए गए लागत एवं कीमत संबंधी आंकड़ों को इस जांच में समान देश के आंकड़ों को लागू करने के बजाए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लागू किया जाना चाहिए।
- ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटित आयातों को छोड़कर अन्य ज्ञात कारकों की जांच करनी चाहिए। घरेलू उद्योग द्वारा सार्वजनिक सुनवाई के दौरान यह माना गया था कि जांच की अवधि के दौरान चीन जन गण से आयातों के कारण उन्हें कोई क्षति नहीं हुई है और बाद में विभिन्न आर्थिक मानदंडों के संबंध में टिप्पणियां भी दायर की जा रही हैं जिनकी जांच कानून के तहत की जानी अपेक्षित है।
- घ. उत्पादन एवं क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री बढ़ी है। बिक्री लागत तथा बिक्री कीमत कम हुई है; घरेलू बिक्री में वृद्धि संस्थापित क्षमता के अनुरूप नहीं है। कर्मचारियों की संख्या, लाभप्रदता, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय बढ़ी है। जांच की अवधि के दौरान कोई कीमत कटौती नहीं हुई है तथा पाटन एवं क्षति मार्जिन दोनों नकारात्मक हैं।

- ड. शुल्क को बंद करना तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना की निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एसएसआर जांच में जांच किए जाने की आवश्यकता है। यदि पाटन और क्षति नहीं है तो वह जारी नहीं रह सकती अथवा दोबारा नहीं हो सकती। घरेलू उद्योग ने यह बात स्वीकार की है कि चीन जन गण से निर्यातक घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँचा रहे तथा पाटन नहीं कर रहे हैं।
- च. चीन जन गण से आयात से याचिकाकर्ता पर कोई कीमत तथा मात्रात्मक प्रभाव नहीं है। जांच की अवधि के दौरान आयात न्यूनतम स्तर पर रहे हैं और इस प्रकार पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं है।
- छ. कानून के तहत कारणात्मक संबंध के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग के कारकों को पाटित आयातों तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध दर्शाना स्पष्ट नहीं किया गया है। प्राधिकारी को चाहिए कि वे पाटित आयातों के सिवाय किन्हीं ज्ञात कारकों की जांच करे जो साफ-साफ घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं। याचिकाकर्ता ने कारणात्मक सम्पर्क के संबंध में सूचना प्रदान नहीं की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

91. यह नोट किया जाता है कि प्रकटन पश्चात स्तर पर उठाए गए मुद्दों की उपर्युक्त संगत पैराओं में प्राधिकारी द्वारा पहले ही जांच कर ली गई है, तथापि, अनुरोधों की स्पष्टता के लिए उन्हें निम्नलिखित रूप में हल किया गया है:
- क. जहां तक एनएमई स्तर और सामान्य मूल्य परिकलन का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, जांच की अवधि में भी मौजूद स्थितियां वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए संगत, उपयुक्त और आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 है। चूंकि, अनुच्छेद 15 का उप पैरा जांच की अवधि में मौजूद था, अतः प्राधिकारी उस सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों की कठोर तुलना पर आधारित है, यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से नहीं दर्शा सकते कि विनिर्माण, उत्पादन और उस उत्पाद की बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां मौजूद हैं। वर्तमान मामले में चूंकि, चीन के किसी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था की प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, अतः प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना है और तदनुसार, सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है।
- ख. जहां तक मात्रा और कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयात आधार वर्ष से तुलना करके जांच की अवधि में पूर्ण रूप में तथा कुल आयात के संबंध में और भारत में कुल मांग के संबंध में कम हुए हैं।
- ग. जहां तक शुल्क बंद करने तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसके बार-बार होने की संभावना का संबंध है, प्राधिकारी समीक्षा मामलों में क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए वास्तविक क्षति के खतरे के लिए मानदंडों को लागू करते आए हैं। गुजरात के माननीय उच्च न्यायालय ने 23/2/2017 के अपने फैसले के विशेष सिविल अपील मामले में 16426 से 16429 में कहा है कि कानून के तहत निर्धारित खतरे के मापदंडों को संभावना परीक्षा के लिए माना जाएगा जिसे लागू किया

गया है वर्तमान मामले में इसके अलावा, प्राधिकरण ने केवल इन मापदंडों के आधार पर अपने विश्लेषण को प्रतिबंधित नहीं किया है, लेकिन घरेलू उद्योग के लिए चोटों की संभावना के परीक्षण के लिए अन्य चोट के मानकों की जांच भी की है।

घ. जहां तक तथ्यों को प्रकट न करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण में प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को विश्लेषण किए गए अनुसार जांच के सभी अनिवार्य तथ्य प्रकट किए हैं। साथ ही, प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण जारी करने के बाद घरेलू उद्योग को अपने 10 अगस्त, 2017 के पत्र तथा ई-मेल द्वारा उत्तर दिया है जिसमें घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में एनआईपी के परिकलनों तथा अन्य स्पष्टीकरणों के ब्यौरे भी दिए हैं।

ङ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रकटन विवरण में कोई निष्कर्ष नहीं दिया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी को केवल उन तथ्यों को प्रकट करना होता है जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बनेंगे। तदनुसार, प्राधिकारी ने 01 अगस्त, 2017 के अपने प्रकटन विवरण द्वारा अनिवार्य तथ्य प्रकट किए हैं।

च. जहां तक क्षति तथा क्षति के अन्य कारकों की जांच के संबंध में तर्क का संबंध है, उन्हें इन जांच परिणामों के संगत पैराग्राफ में ले लिया गया है।

छ. जहां तक हेजियन यिंगझोऊ केमिकल कं. लि. की माल सूची के ब्यौरों का संबंध है, यह स्पष्ट किया जाता है कि उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक की 2014, 2015 और जांच की अवधि में कोई माल सूची नहीं है।

ज. जहां तक प्राधिकारी द्वारा माह वार विश्लेषण पर विचार न किए जाने के तर्क का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में संगत मानी गई समस्त सूचना की जांच की है और नियमों तथा अनुरूप परिपाटी के अनुसार निष्कर्ष निकाला है।

ख. निष्कर्ष

92. प्राधिकारी उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि:

क. संबद्ध देश से भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. के माध्यम से निर्यात करने वाली मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. को छोड़कर संबद्ध सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं।

ख. घरेलू उद्योग को मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. के माध्यम से निर्यात करने वाली मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. को छोड़कर चीन से निर्यात से क्षति हुई है।

ग. पाटनरोधी शुल्क बंद किए जाने की स्थिति में मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. के माध्यम से निर्यात करने वाली मैसर्स सुझोउ लुओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. को छोड़कर पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा बार-बार होने की संभावना है।

ग. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

93. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की कमी दूर होगी और संबद्ध सामानों की ग्राहकों को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत भी बनाए रख सकते हैं।
94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी तरह से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होगा और इसीलिए ग्राहकों को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

घ. सिफारिशें

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि समीक्षा जांच की शुरुआत की गई और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी। पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार, पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच किए जाने के बाद प्राधिकारी निम्नलिखित रूप में वर्णित स्वरूप एवं तरीके में संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।
96. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी दिनांक 09 सितंबर, 2011 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 88/2011-सीमा शुल्क में आंशिक संशोधन करते हुए केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन से कम के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, निम्नलिखित तालिका के कॉलम संख्या 8 में दर्शाई गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के सभी आयातों पर लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

क्रम सं.	टैरिफ मद*	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अमेरिकी डॉलर में)	यूओएम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	29214226	पारा नाइट्रोएनीलाइन	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स लुओसन ऑक्सीलरी ज कं. लि.	मैसर्स वुजियांग सिटी यिलिन फॉरेन ट्रेडिंग कं. लि.	शून्य	मी. टन

2.	29214226	पारा नाइट्रोएनीलाइन	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स हेजियान यिंगझोउ केमिकल कं. लि	मैसर्स हेजियान यिंगझोउ केमिकल कं. लि	183.54	मी. टन
3.	29214226	पारा नाइट्रोएनीलाइन	चीन जन गण	चीन जन गण	उपर्युक्त क्रम सं. 1 से 2 में उल्लिखित के अलावा कोई संयोजन		256.48	मी. टन
4.	29214226	पारा नाइट्रोएनीलाइन	चीन जन गण	चीन जन गण को छोड़कर कोई भी देश	कोई अन्य	कोई अन्य	256.48	मी. टन
5.	29214226	पारा नाइट्रोएनीलाइन	चीन जन गण को छोड़कर कोई भी देश	चीन जन गण	कोई अन्य	कोई अन्य	256.48	मी. टन

97. इस जांच परिणाम के कारण उत्पन्न होने वाली कोई अपील केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा-शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील अधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August, 2017

(Final Findings)

Subject: Sunset Review Investigation (SSR) concerning imports of Para Nitro Aniline (PNA) originating in or exported from China PR.

A. F. No. 15/09/2016-DGAD.—BACKGROUND OF THE CASE

1. Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred as the Rules), the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) had recommended imposition of anti-dumping duty on imports of “Para Nitro Aniline” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country).
2. Whereas, the original investigation concerning imports of the subject goods from the subject country was initiated by the Authority vide Notification 14/13/2010-DGAD, dated 8th June, 2010. The final finding was

published by the Authority vide Notification No. 14/13/2010-DGAD dated 5th August, 2011 and definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 88/2011-Customs dated 9th September, 2011.

3. Whereas, in terms of the Act, the anti-dumping duty imposed shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition.
4. And, notwithstanding the above provision, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantiated request made by or on behalf of the Domestic Industry within a reasonable period of time prior to the date of expiry of the measure as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.
5. Whereas, M/s. Abhilasha Tex-Chem Ltd. and M/s. Amarjyot Chemical Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as Petitioners) and supported by M/s. Panoli Intermediates (India) Pvt. Ltd. and M/s. Premier Orgochem Industries Pvt. Ltd. filed petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules) for initiation of sunset review investigation of the Anti-Dumping Duty concerning imports of Para Nitro Aniline (PNA) originating in and exported from China PR.
6. In view of the duly substantiated application with prima facie evidence of likelihood of dumping and injury filed on behalf of the Domestic Industry and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority issued a Notification No.15/09/2016-DGAD dated 1st September, 2016, published in the Gazette of India, initiating a sunset review investigation in accordance with section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, to review the need for continued imposition of the duties in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the Domestic Industry. The validity of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country was extended by the Central Government up to 8th September 2017 vide Notification No. 49/2016-Customs (ADD) dated 7th September, 2016.
7. The scope of the present review covers all aspects of the previous investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

B. PROCEDURE

8. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
 - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industries, for initiation of sunset review investigation of anti-dumping duty on imports of "Para Nitro Aniline from China PR".
 - ii. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - iii. The Authority issued a public notice dated 1st September, 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating sunset review investigation of anti-dumping duty investigation concerning imports of Para Nitro Aniline originating in and exported from China PR.
 - iv. The Authority provided copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential version of the application was also made available in the form of a public file and provided to other interested parties, wherever requested.
 - v. The Authority forwarded a copy of the initiation notification to the Embassy of China PR in India, known producers/exporters from China PR, known importers/users and the Domestic Industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4).
 - vi. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China PR, (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules:
 - a) Green Fine Chemical (Shanghai) Co. Ltd.
 - b) Long Island Pharmaceutical & Chemical Co. Ltd.

- c) Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd. (Yilin)
 - d) HebeiYongtai Create Chemicals Co. Ltd. (Yongtai)
 - e) Junwee Chemical Co. Ltd.
 - f) Suzhou Lusun Auxiliaries Co. Ltd. (Luosen)
 - g) Hangzhou Dingsheng Chemical Co. Ltd. (Dingsheng)
- vii. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with the request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit.
- viii. However, in response to the above notification, none of the exporters have filed response to the MET questionnaire. The following producers/exporters have filed the Exporter questionnaire response:
 - a) Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd.
 - b) Suzhou Lusun Auxiliaries Co. Ltd.
 - c) HejianYingzhou Chemical Co. Ltd.
- ix. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification along with Importer's Questionnaires to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the Authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4).:
 - a) Bodal Chemicals Limited
 - b) Alps Chemicals Ltd,
 - c) Jay Chemical Industries Limited
 - d) Gurudev Dyestuff (India) Pvt. Ltd.
 - e) Juimex/Chemex
 - f) Kiri Dyes and Chemical Ltd.
 - g) Chem Org Plast Laboratory
- x. However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods.
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- xii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xiii. The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xiv. Period of Investigation in the instant investigation is April 2015-March 2016. The injury investigation period covered is 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the Period of Investigation (POI). The data beyond POI (April 2016-Sep 2016) was also examined to determine the likelihood of dumping and injury.
- xv. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the Domestic Industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xvi. Transaction wise data was called from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The Authority has relied on DGCI&S data and the data of co-operative exporters for calculating volume and value of imports of the subject goods in India.
- xvii. The Authority held an oral hearing on 23rd June, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6). The interested parties who had presented their views in the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties. The Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.

- xviii. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xix. A Disclosure Statement was issued on 1.08.2017 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 14.08.2017 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xx. *** in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs. 65.91.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

Submissions by the Domestic Industry

9. The Domestic Industry has made the following submissions:

- i. The scope of the product under consideration under the present investigation is Para Nitro Aniline (PNA). This chemical is commonly used as an intermediate in the synthesis of dyes, antioxidants, pharmaceuticals and gasoline, in gum inhibitors, poultry medicines, and as a corrosion inhibitor.
- ii. The product is produced through amonolysis process and involves reaction with ammonia, analogous to hydrolysis, in which a bond is broken and an NH₂ group is appended to one fragment. The key step in this reaction sequence is an electrophilic aromatic substitution to install the nitro group para to the amino group. After this reaction, a separation must be performed to remove 2-nitroaniline, which is also formed in a small amount during the reaction.
- iii. Para Nitro Aniline (PNA) is normally produced and sold in terms of weight expressed in terms of Kgs. It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No. 29214226 besides many subheadings.
- iv. There is no known difference in subject goods exported from subject country and that produced by the Indian industry. Both the products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.

Submissions by the exporters/importers/other interested parties

10. Other interested parties have made no submissions with regard to product under consideration.

Examination by Authority

11. The product under consideration in the present investigation is Para Nitro Aniline. Para nitro aniline is classified under Customs sub heading No 29214226 under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975. However, customs classification is indicative in nature and not binding on the scope of the investigation.

12. The Authority had stated the following description in the final findings of the original investigation:

"The product under consideration in the present investigation is Paranitroaniline (hereinafter referred as "subject goods"). It is an organic chemical compound. Paranitroaniline is also known as 4-nitroaniline, 1-amino-4-nitrobenzene, or pnitrophenylamine. 4-Nitroaniline is a starting material for the synthesis of Para Red, the first Azo dye. This chemical is commonly used as an intermediate in the synthesis of dyes, antioxidants, pharmaceuticals and gasoline, in gum inhibitors, poultry medicines, and as a corrosion inhibitor."

13. Since the present investigation is a sunset review investigation, the scope of the product under consideration is the same as that of original investigation.

D. LIKE ARTICLE

14. The Domestic Industry has claimed that there is no known difference in subject goods exported from subject country and that produced by the Indian industry. Both the products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.

15. The Authority notes from the information available on record that the product under consideration produced by the Domestic Industry is like article to the goods imported from the subject country. Product under consideration

produced by the Domestic Industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. It is further noted that the Designated Authority had examined the issue of product under consideration and like article in the previous investigation, which mutatis mutandis is relied upon in the present review investigation. The goods produced by the Domestic Industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably and are like article within the meaning and scope of Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules.

16. Thus, the Authority holds that product under consideration produced by the applicant Domestic Industry is a like article to the subject product under consideration imported from subject country in accordance with the AD Rules.

E. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions by the Domestic Industry

17. The Domestic Industry has made the following submissions:

- i. The petition has been filed by M/s. Abhilasha Tex-Chem. Ltd. and M/s. Amarjyot Chemical Pvt. Ltd. and has been supported by M/s. Panoli Intermediates (India) Pvt. Ltd. and M/s. Premier Orgochem Industries Pvt. Ltd.
- ii. Petitioners command a major proportion in Indian production and accordingly constitute “Domestic Industry” within the meaning of the Rules.
- iii. Petitioner has not imported the subject goods. Petitioner is not related, either directly or indirectly, to any exporter or importer of product under consideration in the subject country. Thus the petitioner is eligible Domestic Industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.

Submissions by the exporters/importers/other interested parties

18. None of the exporters/importers/other interested parties has made any submissions in this regard.

Examination by the Authority

19. The petition has been filed by Abhilasha Tex Chem. Pvt. Ltd. and Amarjyot Chemical Pvt. Ltd and has been supported by M/s. Panoli Intermediates (India) Pvt. Ltd. and M/s. Premier Orgochem Industries Pvt. Ltd.
20. The Authority notes, on the basis of information on record that the production of petitioners as a percentage of total Indian production accounts for 65% as mentioned in the table below. Further, the petitioner has not imported the subject goods during the period of investigation, and, is not related to any exporter or producer of the subject goods in the subject country or any importer or user of the product under consideration in India within the meaning of Rule 2(b).

Share	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
Petitioner(s) as a whole	%	64%	62%	63%	65%
Supporters	%	36%	38%	37%	35%
Petitioner along with Supporters	%	100%	100%	100%	100%
Other Indian Producer	%	0%	0%	0%	0%
Total Indian Production	%	100%	100%	100%	100%

21. In view of the above and after due examination, the Authority holds that the applicants satisfy the standing requirements and constitute Domestic Industry under Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

F. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY

Submissions by the Domestic Industry

22. The Domestic Industry has made the following submissions:

- i. The exporters have claimed excessive confidentiality and the following information have not been filed by the exporters under the veil of confidentiality:
 - a. Details of any financial or contractual links and joint ventures with another company concerning Research and Development, production, sales, licensing technical and patent agreements for the product concerned and Sales negotiation process
- ii. In the response filed by Suzhou Luosen Auxiliaries co ltd, information filed under Appendix 3 seems false and misleading where the turnover and market share of the company is same in all the years including the Period of investigation.
- iii. No information is provided on production process, raw material, domestic sales, business license and shareholding.
- iv. Information provided in non-confidential version is beyond understanding. The NCV version does not provide clear understanding of the data and the Domestic Industry is unable to provide detail comments on that for the same reason.
- v. The period of giving information is chosen differently by all the responding exporters. Though the responses are filed by the same law firm but the year chosen for giving information are different in all the responses for same parameters.
- vi. Non-confidential version of the questionnaire responses is grossly inadequate. The concerned interested party has not disclosed all such information that they are obliged to disclose under the Rules and practice being followed by the Designated Authority in this regard. Even information that is publicly available has not been disclosed in the non-confidential version.

Submissions by the exporters/importers/other interested parties

23. The exporters/importers/other interested parties have made the following submissions:
 - i. The petitioner has claimed excessive confidentiality in violation of Rule 7 of the Customs and Tariffs Rules, 1995.
 - ii. The petition is not properly indexed in the non-confidential version and costing information has not been provided at all. DGAD should not have initiated the present investigation on the basis of the information contained in the petition.
 - iii. Costing information, section VI of the petition, is not provided and entirely kept confidential.

Examination by the Authority

24. The Authority made available non confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
25. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims in terms of the provisions contained in antidumping rules and WTO Agreement. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.

G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

Market Economy Treatment and Normal Value

Submissions by the Domestic Industry

26. The Domestic Industry has made the following submissions:
 - i. China is a non-market economy country. Further none of the exporters satisfy all the conditions developed from jurisprudence to qualify for grant of market economy status. Thus, the Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
 - ii. The normal value has been constructed on the basis of cost of production in India, duly adjusted.

Submissions by the Exporters/Importers/Other Interested parties

- i. China has been granted Market Economy status after 11th Dec, 2016. They should be treated as market economy and Normal value for China should be determined as per the information given by the exporters in their response.

- ii. Conduct any normal value calculation in accordance with Article 2 of the anti-dumping agreement.
- iii. Apply the data on costs and prices provided by the company in this response for determination of the normal value rather than applying analogue country data.
- iv. Dumping margin is negative in the period of investigation.

Examination by the Authority

27. The factum of dumping causing injury to the Domestic Industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April, 2015 to March, 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
28. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
29. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption that China PR is a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in China to provide the relevant information.
30. The Authority notes that the known Chinese producers/exporters and the Government of China have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to them to make their submissions in this regard. None of the exporters/producers from China PR have responded to the market economy questionnaire.
31. In view of the above position and in the absence of rebuttal of non-market economy presumption by any Chinese exporting company, the Authority considers it appropriate to treat China PR as a non-market economy country in the present investigation and proceeds with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value in case of China PR.
32. As per Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, normal value in China is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
33. In view of the above, the normal value for the subject products imported from China PR into India has been determined on "any other basis" by considering best available information with regard to cost of production and after reasonable additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. The normal value has been constructed considering consumption of major raw materials conversion cost, interest, SGA, etc. at the levels allowed for the most efficient constituent of the Domestic Industry. Further 5% of cost of sales excluding interest has been added towards reasonable profit. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration is as shown in the dumping margin table below.

EXPORT PRICE

34. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers and exporters from the subject country filed the prescribed questionnaire responses. Following producers/exporters from subject country have filed exporter questionnaire response and have provided information giving details of export price.
 - i. HejianYingzhou Chemical Co. Ltd., China who is a Producer & Exporter of subject goods exporting directly to India.

- ii. Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd. is a Producer of subject goods exporting through his related party Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd.
35. During the POI, M/s HejianYingzhou Chemical Co., Ltd., China PR, has exported the subject goods directly to India. The exporter claimed adjustment on account of handling & inland transportation, overseas transportation, insurance, and bank charges. The adjustments on account of non-reimbursed amount of VAT has also been made. The CNV & net export price is determined as below.
36. During the POI, M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co., Ltd., has exported the subject goods to India which have been sourced from M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co., Ltd., China PR. The producer and exporter have submitted all the exports details in appendix 2. The exporter has claimed adjustment on account of overseas freight, overseas insurance, handling & inland freight, export packing expenses, SGA, credit expenses and bank charges. The adjustments on account of non-reimbursed amount of VAT has also been made. The CNV & net export price is determined as below.

Export Price for all other non-co-operative producers and exporters

37. For other producers/ exporters from China who have not participated / cooperated in this investigation, the Authority determined the export price on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods determined as mentioned in dumping margin table below.

Dumping Margin

38. The dumping margin for subject goods has been determined by comparing constructed normal value and net export price at ex-factory level of the subject goods as below:

Name	CNV		NEP		DM		DM	DM
	Rs./MT	USD/MT	Rs./MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	%	Range
Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd/ Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	***	***	***	1-10
HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	***	***	***	***	***	***	***	25-35
Any Other	***	***	***	***	***	***	***	30-40

39. The dumping margin so determined in respect of the producers/exporters from the subject country is positive for the Period of Investigation.

H. INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions by the Domestic Industry

40. Followings are the submissions made by the Domestic Industry
- The performance of the Domestic Industry has improved in terms of various economic parameters during the period of investigation and declined for some other parameters.
 - Nature of sunset review is different than the original investigation as the focus is more on likelihood of the continuation or recurrence of dumping and injury, in case antidumping duties are removed. Presence of injury or presence of dumping is not required to be examined for the review cases where likelihood of injury is more important.
 - Post Period of investigation performance of the Domestic Industry needs to be taken into consideration to examine likelihood of injury.
 - The six months data after Period of investigation shows the actual position of the Domestic Industry where the Domestic Industry will start suffering injury in case the duty ceases to exist. The Domestic Industry has suffered injury in post POI despite anti-dumping duties being on force. During post period of investigation, the imports in low prices have increased which are entering at dumped prices, resulting in positive price undercutting and establishing causal link. When the dumping margin was negative,

price undercutting and injury margin were negative. When dumping margin became positive, price undercutting and injury margin became positive.

- v. If the consumers switch over to the imported product, the same would imply decline in demand for the Domestic Industry product and increase in demand for the subject product. Thus, cessation of duty is likely to result in displacement of Domestic Industry market by imports from China PR.

Submissions by the exporters/importers/other interested parties

41. Followings are the submissions made by the exporters post hearing. Though the submissions made by them were 1 day beyond the date fixed by the Authority, the authority has still taken into consideration the submissions made by the exporters treating as deemed extension of period for disclosure submission by one day.

- i. There is no causal link between the alleged dumped imports and injury claimed.
- ii. The injury margin is not determined. There is no injury to the Domestic Industry. In fact all the economic parameters showing improvement in the Period of investigation.
- iii. The petitioner has deliberately not filed any comments on points like the volume and prices of imports not sold at dumping prices, Contraction in demand or changes in the patterns of consumption, Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, Developments in technology and the export performance and the productivity of Domestic Industry.
- iv. There is no change in installed capacity, but the production, sales and capacity utilization have increased during POI as compared to base year. The Domestic Industry also operated at the highest capacity utilization during period of investigation.
- v. There is reduction in cost of sales during POI and selling price of PUC. The stock of Domestic Industry has decreased by 48% indicating substantial increase in the sale of goods.
- vi. Profitability of Domestic Industry has increased by 346%. Cash profit has increased by 250% indicating good health of the industry. There is increase in the return on capital employed. There is increase in the number of employees in POI as compared to the base year.
- vii. The Domestic Industry has wrongly stated that imports from subject country would cause severe price undercutting in absence of anti-dumping duty. During the POI and last one year, no price undercutting is being caused by dumped imports. This working does not include impact of existing anti-dumping duty. The claim of Domestic Industry that the authority shall examine injury and price undercutting on monthly basis is not correct.
- viii. The investigation is initiated without justification of sufficient information by the petitioner. The Authority has failed to examine the claims of the petitioner regarding injury and has not examined adequacy and accuracy of information before initiating the investigation.
- ix. The performance of the Domestic Industry suggests that the imports from China PR did not have any price impact on the petitioner. Also there is no likelihood of recurrence of injury as per Article 9A (5) of the Customs and Tariffs Act.

Examination of the Authority

42. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury and has analysed injury to the Domestic Industry considering the facts available on record and applicable laws.

- i. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.
- ii. For the examination of the impact of imports on the Domestic Industry in India, the Authority has considered indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
- iii. In consideration of the various submissions made by the interested parties in this regard, the Authority proceeds to examine the current injury, if any, to the Domestic Industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject country.
- iv. Period of Investigation in the instant investigation is April 2015-March 2016. The injury investigation period covered is 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the Period of Investigation (POI). The data beyond POI i.e. April, 2016-September, 2016 (hereinafter referred to as Post POI) is also examined to determine the likelihood of dumping and injury.

(v) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

43. For the purpose of assessment of the domestic demand /apparent consumption of the subject goods, the sales volume of the Domestic Industry and other Indian producers have been added to the total imports into India. The import data from DGCI&S was obtained and it has been found that the quantity of subject goods imported into India during POI, captured in DGCI&S is lower than the quantity of the subject goods exported by the co-operative exporters as claimed in their response. This could be on account of the fact that imports have not been fully captured from some of the ports or that the subject goods are coming under various other miscellaneous HS codes. The Authority has taken the quantity claimed to be exported to India from exporters response and the same has been summarized as follows:

Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Sales of Domestic Industry	MT	3,707	3,140	3,682	4,044
Sales of other Indian Producers	MT	3,201	3,748	3,804	3,789
Imports –Subject Country	MT	1,705	2,564	983	1,578
Imports -Other Countries	MT	-	9	2	0
Total Demand	MT	8,613	9,460	8,472	9,411

44. It is seen from the above that the demand of the product under consideration has increased during POI as compared to previous year and also as compared to the base year, increased in 2013-14 but decreased in 2014-15.

(vi) Volume Effect of Dumped Imports and impact on Domestic Industry**Import volume and Market Share**

45. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The table below summarizes the factual position with regard to import volumes and market share:

Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Subject country	MT	1,705	2,564	983	1,578
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>150</i>	<i>58</i>	<i>93</i>
Other Countries	MT	-	9	2	0
Total	MT	1,705	2,572	986	1,578
Total Demand	MT	8,613	9,460	8,472	9,411
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>110</i>	<i>98</i>	<i>109</i>
Imports from Subject country in relation to					
Total Imports	%	100%	99.66%	99.75%	100%
Indian demand	%	20%	27%	12%	17%

46. It is seen from the above that the imports from subject country have increased during POI in absolute terms as well as in relation to total imports and total demand in India when compared to the previous year. However, the same have decreased when compared to the base year 2012-13 and 2013-14.

(vii) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

47. With regard to the price effect, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred. The impact on the prices of the Domestic Industry on account of the alleged dumped imports from the subject country has been examined with respect to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

a. Price Undercutting

48. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the Landed price of imports and the average selling price of the Domestic Industry. The prices of the Domestic Industry were determined at the ex-factory level.
49. Price undercutting has been assessed by comparing the export price with the domestic selling price in India of the subject goods during the period of investigation as shown in the following table:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed price of imports	Rs./MT	1,03,330	1,26,520	1,38,080	1,15,020
Net Sales Realisation	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	% - Range	0-10%	Negative	Negative	0-10%

50. From the above, the Authority notes that the undercutting during POI is negligible, just 2%. Further, it has come down from 6% in base year to 2% in POI. Undercutting was negative during 2013-14 and 2014-15. Hence, the Authority concluded that undercutting is not significant.

b. Price Suppression/ Depression

51. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed price of imports without ADD	Rs./MT	1,03,330	1,26,520	1,38,080	1,15,020
Trend	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>122</i>	<i>134</i>	<i>112</i>
Landed price of imports with ADD	Rs./MT	1,17,539	1,42,341	1,54,119	1,32,157
Trend	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>121</i>	<i>131</i>	<i>112</i>
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>114</i>	<i>105</i>	<i>87</i>
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>115</i>	<i>120</i>	<i>107</i>

52. The Authority notes that whereas the cost of sales has declined during the POI as compared to the base year, the net selling price of subject goods has increased during the same period. The landed price of imports has increased during POI as compared to base year. Cost of sales decreased by 13% as compared to base year but selling price increased by 7% during the period. Hence, the Authority does not find any suppression/depression.

(iv) Economic Parameters of the Domestic Industry

53. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the Domestic Industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

54. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below:

a. Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales Volume

55. Production, sales, capacity & capacity utilization details are as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>98</i>	<i>101</i>	<i>109</i>
Capacity utilization	%	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>98</i>	<i>102</i>	<i>109</i>
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>85</i>	<i>99</i>	<i>109</i>

56. From the above information, the Authority notes that the production, sales and capacity utilization of the Domestic Industry has increased during period of investigation as compared to base year as well as previous year.

b. Market Share in Demand

57. The details of market share of the Domestic Industry in demand are given in table below.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
China PR	%	20%	27%	12%	17%
Other Countries	%	0%	0%	0%	0%
Domestic Industry	%	43%	33%	43%	43%
Other Indian Producers	%	37%	40%	45%	40%

58. It is seen that the market share of Domestic producers have increased in period of investigation and market share of imports from subject country has decreased.

c. Profitability, return on investment and cash profits

59. Performance of the Domestic Industry with regard to profits, return on investment and cash flow is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Profit/(Loss)	Rs./MT	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(80)</i>	<i>345</i>	<i>514</i>
Profit/(Loss)	Rs.Lacs	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(67)</i>	<i>343</i>	<i>561</i>
Cash Profit	Rs.Lacs	(***)	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>931</i>	<i>7,990</i>	<i>11,129</i>
Return on Capital Employed	%	(***)	(***)	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>(66)</i>	<i>231</i>	<i>278</i>

60. It is seen from the above that that the profitability, cash profits and return on capital employed has increased manifold throughout the injury period indicating that the Domestic Industry has not suffered injury on these parameters.

d. Inventories

61. Inventories with the Domestic Industry is as follows

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Opening	MT	***	***	***	***

Closing	MT	***	***	***	***
Average	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	67	69	52

62. It is noted that the average inventory level of the subject goods has declined substantially in the period of investigation, which is a sign of improvement of the health of the Domestic Industry.

e. Employment, Productivity and Wages

63. Performance of the Domestic Industry with regard to employment, productivity and wages is as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
No of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	95	100	109
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	123	140	119
Productivity/Employee	MT/No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	101	99

64. It is seen from the above that the employment and wages during POI have increased as compared to the base year. Productivity per employee has by and large remained same in POI as compared to base year.

f. Growth

65. Performance of the Domestic Industry with respect to domestic sales of the subject goods as calculated on year to year basis is as follows:

Growth year by year	Unit	2012-13 (Base Year)	2013-14	2014-15	POI
Production	%		***	***	***
Sales Volume	%		(***)	***	***
Sales Value	%		(***)	***	(***)
Capacity Utilisation	%		(***)	***	***
Total Cost of Sales	%		***	(***)	(***)
Total Selling Price	%		***	***	(***)
Total Profit/ Loss per unit	%		(***)	***	***
Return on Capital Employed	%		***	***	***

66. It is seen that the broad performance of the Domestic Industry in terms of sales, production, capacity utilization, profitability and return on investments have shown a positive growth in POI.

I. OVERALL CONCLUSION ON EXISTENCE OF INJURY

67. The injury analysis in the preceding paras show that on most of the parameters, the Domestic Industry position has improved substantially, and they do not appear to have suffered the injury. Only some parameters like price undercutting etc. show existence of some injury. Hence the Authority considered it necessary to go to the next step of magnitude of injury.

J. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

68. The non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports by the co-operative exporters from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

Name	NIP		Landed Value		IM		IM	IM
	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	%	Range
Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd/ Wujiang City	***	***	***	***	(***)	(***)	(***)	Negative

Yilin Foreign Trading Co. Ltd.								
HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	***	***	***	***	***	***	***	10-20
Any Other	***	***	***	***	***	***	***	15-25

69. The Authority notes that out of the two co-operative producers M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd. had co-operated during the original investigation as well as the present review investigation. The injury margin calculated by comparing NIP and the landed value of the exporter is negative. For the other producer/exporter M/s HejianYingzhou Chemical Co. Ltd, who has appeared before the Authority only during the present review investigation, the injury margin is positive and significant. In view thereof, it is noted that there is no injury to the Domestic Industry in respect of imports from M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. But in respect of other exporters there is an injury to the Domestic Industry. In view of absence of injury due to imports from M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd. exporting through M/s Wujiang City Tilin Foreign Trading Co. the analysis of likelihood parameters has also undertaken by the Authority.

K. LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING AND INJURY

70. As this is a sunset review investigation and the investigation has to be examined for likelihood scenario of continued dumping and consequent injury if the anti-dumping duties are allowed to expire. The Authority has considered parameters for threat to material injury as mentioned in the rules to examine likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.

Submissions by the Domestic Industry

71. Following are the submissions made by the Domestic Industry with regard to likelihood of continuation of dumping and consequent recurrence of injury:

- i. Imports from China were significant in the period of investigation and also during post POI. Import volume is likely to intensify in the event of expiry of anti-dumping duty.
- ii. The import prices have fallen in the Period of investigation to a level which is below even the level of original investigation. This clearly shows the likely trend of import prices in the event of cessation of anti-dumping duty. The drop in the import price is undercutting the prices of the Domestic Industry.
- iii. For the assessment of whether injury will continue or recur, the Authority is required to analyze the future events, based on projected levels of dumped imports, prices, and impact on Domestic Industry.
- iv. The parameters relevant for examining threat is largely related to exporter's behavior, such as rate of increase in imports, unutilized capacities with the exporters, inventories with the exporters. None of the parameters refer to the actual performance of the Domestic Industry.
- v. While threat parameters have been used to determine likelihood of injury, it must be considered that "these are threat parameters" and therefore are "required to be accordingly applied".
- vi. Freely disposable production capacities with the producers in the subject country are sufficient to meet entire Indian demand. Production capacity of Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd. alone, who had responded to the exporter questionnaire in the original as well as present investigation, have claimed to have annual production capacity of 20,000 MT for the production of PNA.
- vii. There is significant price undercutting during period of investigation without anti-dumping duty. Price undercutting was negative in the beginning of the period of investigation, became positive towards end of the period of investigation and was positive even on weighted average basis in the post period of investigation. It clearly establishes that in the event of cessation of anti-dumping duty, the imports are likely to enter the Indian market at dumped prices causing significant undercutting and depression effect. The foreign producers are intensely focused on exports.
- viii. Performance of the Domestic Industry has improved and then deteriorated over the present period in line with the import price
- ix. Performance of the Domestic Industry improved when the import price was fair and performance of the Domestic Industry deteriorated once again when the import price declined to unreasonable levels.

Monthly performance of the Domestic Industry shows that the selling price of the Domestic Industry has moved in tandem with import price.

- x. The import price has decreased significantly and, the prices are undercutting the domestic prices. The price undercutting is positive in post POI analysis
- xi. The Domestic Industry is vulnerable to the price sensitive of the product and Indian market.

Submission of exporters

72. There is no likelihood of recurrence of injury as per Article 9A (5) of the Customs and Tariffs Act.

Examination by the Authority

73. The Authority has examined the contention of the Domestic Industry to examine likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, in terms of Annexure II (vii) of the Rules. Clause (vii) of Annexure II to the rules provides, inter alia for four factors which are required to be taken into consideration, viz.:
- a. A significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
 - b. Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
 - c. Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
 - d. Inventories of the article being investigated.

a. Volume of Imports during POI and Post POI

74. The volume of imports from China PR over the entire injury period, POI and post POI are given in table below:

	2012-13	2013-14	2014-15	POI	Post POI (April-Sept. 2016)
As per DGCIS	1705	2564	983	1423	1387

75. The examination of volume of imports indicates that there is a decline in volume of imports during period of investigation as compared to the base year, however, the imports during post POI of six months, shows an increase in imports in spite of anti-dumping duty being in force.

b. Excess Capacities and export orientation

76. This parameter for ascertaining the threat of material injury requires evaluation of existing surplus capacities and capacity addition, if any, to explore the possibility of diversion of disposable quantity to Indian market.
77. The data as given in the exporters' response/claim indicates that there are some surplus capacities with the producers/exporters in China for the subject goods. However, level of surplus/unutilised capacity is not significant as to indicate a likelihood of dumping and injury to Domestic Industry. Further, the table below shows that the Chinese producers have substantial export orientation.

Name of Producer	Capacity (MT)	Production (MT)	Domestic utilisation	Exports to India	Exports to ROW	Total Exports	% Exports
Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd	***	***	***	***	***	***	***

HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	***	***	***	***	***	***	***
Total	***	***	***	***	***	***	***

c. Inventories of the subject goods

78. The questionnaire response filed by Suzhou Luosen Auxiliaries Co.Ltd., China indicates the details of inventories with the producer and the same have increased over the injury period and in POI as below. Hejian Yingzhou Chemical Co. Ltd have no inventories with them.

Producer	2014	2015	POI
Suzhou Luosen Auxiliaries Co.Ltd	***	***	***
HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	Nil		

79. The exporters which show some inventories, have not caused injury to the Domestic Industry. The other exporter has no inventories.

Conclusion of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury

80. The Authority notes that in view of the information filed by DI and the exporter in its questionnaire response, it would be seen that there is a decline in volume of imports during period of investigation as compared to the base year. However, as compared to the previous year volume of imports during period of investigation and post POI have increased. The responding producers also have surplus capacities with 78.61% capacity utilization. There is increase in level of inventories with one of the producer M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. However, the unutilized capacities are not very significant and whatever production is taking place currently is also being exported to various countries. Therefore, there appears to be no strong indicator for diversion of these exports to India. Also the increase in inventories is not significant leading to conclusion that they will end up in Indian market at dumped price. In view of the above, the Authority notes that there is no likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in case of cessation of anti-dumping duty against M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co.

L. CAUSAL LINK AND NON ATTRIBUTION ANALYSIS OF OTHER KNOWN FACTORS

81. Having examined the existence of continued dumping injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the Domestic Industry, in terms of its price undercutting and price suppression and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the Domestic Industry, as follows

a. Volume and price of imports from third country:

82. Statement of imports from countries other than the subject country shows that the imports of subject goods from other countries are entering at below de minimis levels. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the Domestic Industry

b. Contraction in Demand and / or Changes in Pattern of Consumption

83. Overall demand for the subject goods has shown positive growth during the injury period. It is also noted that no significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the authority, nor any interested party has made any submission in this regard.

c. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

84. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country. The Domestic Industry competes among one another and at the same time competes with the landed price of the subject goods.

d. Developments in technology:

85. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.

e. Export performance of the Domestic Industry:

86. Domestic Industry has exported the subject goods. However, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, export performance would not have affected the injury analysis made by the Authority in this Final Finding. The claimed injury to the Domestic Industry is solely on account of domestic operations.

f. Performance of other products:

87. Performance of other products being produced and sold by the Domestic Industry has no impact over the reported performance of the subject product. The claimed injury is on account of the subject goods.

M. POST DISCLOSURE COMMENTS

88. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The comments/submissions made by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined as below:

Submission made by the Domestic Industry

89. The submissions have been summarized as below:

- a. The designated authority has applied the principles of fresh investigation to the sunset review investigation. The injury has been looked into as a fresh investigation. The impact of imports on the Domestic Industry has been seen with regard to Annexure II (IV).
- b. The Authority has not disclosed essential facts in the disclosure statement. The disclosure does not disclose whether the Domestic Industry is suffering continued injury or not suffering continued injury.
- c. The parameters of likelihood examined by the Authority are not disclosed and also the facts considered by the Authority for examination of likelihood is not disclosed in the disclosure statement.
- d. The Authority has only reiterated the arguments submitted by the Domestic Industry and has not disclosed the facts considered by him.
- e. The Authority has not examined injury margin and dumping margin in third country exports. The disclosure statement is incomplete without disclosure of injury margin and in case disclosure of injury margin is not necessary, the Authority needed to specify the same.
- f. The Authority has not disclosed producer wise injury margin and the same is inconsistent with Rule 16. The Authority has merely disclosed the weighted average, hence the Domestic Industry is unable to comment on the same and this is in clear violation of principal of natural justice.
- g. The Authority has not acknowledged various issues raised by the Domestic Industry or has failed to address the issues.
- h. Authority has not addressed the issue of month wise determination of normal value export price and dumping margin. The Authority has nowhere addressed that the price undercutting was negative in the beginning and which began negative by the end of the Period of investigation. Also, there is significant undercutting on weighted average in the post Period of investigation, which shows likelihood of injury.
- i. The import prices have fallen in the period of instigation even below than the original investigation. This goes on to prove likelihood of injury on cessation of present anti-dumping duty.

- j. The Domestic Industry is vulnerable to the price sensitive of the product and Indian market.
- k. Imports from China were significant in the original investigation and it remained significant thereafter and in the present period of investigation.
- l. Presently the dumped imports caused price suppression and depression. On cessation of present duty the Domestic Industry will be forced to reduce the price, even below the cost of production resulting into significant financial loss.
- m. The designated authority is required to examine the probable consequences of cessation of duty. Improvement of present situation is the consequence of present duty. The Authority is required to examine the likelihood of recurrence of injury apart from the present improvements.
- n. Disclosure of essential facts means disclosure of the facts which formed the basis of the determination. If the Authority does not disclose essential information the interested parties will not be able to provide any comment to the disclosure statement.
- o. If the Authority merely reiterates the submissions made by the Domestic Industry means that the Authority has considered the submissions made by the Domestic Industry or the Authority has not disclosed the essential facts.
- p. The authority is requested to disclose certain facts to enable the interested parties to offer comments, such as exporter wise injury margin. This fact is an essential facts and non-disclosure of the same amounts to violation of principal of natural justice.
- q. The Authority is requested to disclose the non-confidential version of the verification report of the exporter/producer from the subject country.
- r. The Authority is requested to disclose non confidential version of copy of communications sent to the opposing parties and their replies. Also, disclose the complete detailed break-up of non-injurious price determined.
- s. The actual dumping margin should be disclosed by the Authority. The same is going to be disclosed at the time of final findings. Anything non confidential at the time of final findings cannot be treated as confidential at the time of disclosure statement. The dumping margin of non-cooperating exporter is based on Domestic Industry's data so there is no reason why it should be kept confidential.
- t. The actual data adopted for determination of injury margin should be disclosed.
- u. Third country export has not been disclosed anywhere in the exporter questionnaire response which is prescribed for sunset review cases or in the disclosure statement. It is also not clear if such exports, in case given, have been considered to determine likelihood.
- v. Exporter wise individual dumping margin is disclosed but injury margin is not. There is no reason for doing so has been given by the Authority.
- w. Response filed by Hejian Yingzhou Chemical Co. is not complete and information with regard to inventories is not provided. The response should be rejected solely on this ground. It is not clear if both the exporters have provided invoice by invoice details of exports to various countries.
- x. Application of Annexure II (vii) for likelihood analysis without making necessary changes is an incorrect application of Rule 23(3).
- y. Threat of material injury-Parameters to be considered for determining likelihood of injury to the Domestic Industry with necessary changes.
- z. The subject country has huge surplus capacity. Response filed by M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd. in the original as well as present investigation shows that they have excess capacity.
- aa. Dumping margin for the exporters in the previous investigation was really high. The Indian market for the product under consideration is highly price sensitive.
- bb. The foreign producers are intensely focused on exports as is evident from evidence provided earlier. In the event of cessation of duty, these exporters are likely to increase their exports to India at dumped prices.
- cc. The Authority does not need to see injury in case of sunset review investigation any reliance on injury margin and NIP to conclude existence or non-existence of likelihood of injury would directly go against the Gujarat High Court order.

- dd. The disclosure statement issued by the Authority nowhere deals with the above issue raised by the petitioner and the Authority has determined injury margin despite no injury in the present case.
- ee. The duty should be fixed form of duty and should be expressed in US\$.

Submission made by other interested parties/Producers/Exporters/Importers

90. The submissions have been summarized as below:

- a. After the expiry of NME status on 11th Dec, 2016, China PR should be treated as Market Economy and there is no legal basis under the agreements of the World Trade Organization to calculate normal value in anti-dumping investigation of Chinese products using the non-market economy methodology as per Section 15(a) (ii) of the Protocol on the Accession of the People's Republic of China to the World Trade Organization. Any such action would be inconsistent with the requirements of the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 (the "Anti-Dumping Agreement") and other covered agreements.
- b. Normal value of China calculation must be in accordance with Article 2 of the Anti-Dumping Agreement; and the data on costs and prices provided by the Company in this response must be applied for the determination of the normal value rather than applying analogue country data in this investigation.
- c. The Designated Authority must examine any known factors other than the dumped imports causing injury to the Domestic Industry. It was conceded by the Domestic Industry during the Public Hearing that no injury has been caused to them due to imports from China PR during the POI and subsequently, still the comments are being filed on various economic parameters which are required to be examined under the law.
- d. Production and Capacity utilisation, Domestic Sales has increased. Cost of Sales and Selling Price has been reduced; increase in domestic sales does not correlate to the installed capacity. Number of Employees, Profitability, Cash Profit and Return on Capital Employed has increased. No price Undercutting during POI and both Dumping and Injury margins is negative.
- e. Cessation of duty and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury need to be examined by the Designated Authority in the SSR investigation. In case the dumping and injury does not exist, it cannot continue or recur. It has been conceded by DI that exporters from China PR are not dumping and causing injury to the DI..
- f. Imports from China PR did not have any price and volume impact on the petitioner. During the POI imports have remained at the lowest level, thus there is no volume effect on the Domestic Industry due to dumped imports.
- g. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the Domestic Industry Factors enumerated for causal relationship under the law has not been explained. The Authority should examine any known factors other than the dumped imports which are injuring the Domestic Industry at the same time. The petitioner has not provided information on causal link.

Examination by the Authority

91. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs, however for the sake of the clarity of the submissions they are addressed as below:
- a. As regards the NME status and Normal Value calculation the Authority notes that the factum of dumping causing injury to the Domestic Industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April, 2015 to March, 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product. In the present case, since none of the producer/exporter in China has filed Market economy questionnaire response, the Authority has considered China as a non-market economy for the present investigation and accordingly the normal value has been determined.
 - b. As regards the volume and price impact the Authority notes that the imports from subject country have

decreased during POI in absolute terms as well as in relation to total imports and total demand in India when compared to the base year.

- c. As regards the Cessation of duty and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury the Authority has been applying parameters for threat to material injury for determination of likelihood of injury in review cases. The Hon'ble High Court of Gujarat in its decision dated 23/2/2017 in Special Civil Appeal case no 16426 to 16429 of 2016 have stated that the threat parameters laid down under the law are to be considered for likelihood examination which has been applied in the present case. Further, the Authority has not restricted its analysis only on the basis of these parameters but has also examined other injury parameters for examination of likelihood of injury to the Domestic Industry.
- d. As regards the non-disclosure of the facts, the Authority notes that in the Disclosure Statement, Authority has disclosed all the essential facts of the investigation, as analysed, to the interested parties. Also, the Authority has replied vide letter and email dated 10th August, 2017 to the Domestic Industry after the issuance of the Disclosure Statement wherein details of NIP calculations and other clarifications were also provided on issues raised by the DI.
- e. As regards the argument that no conclusion has been provided in the disclosure statement, the Authority notes that as per Rule 16 of the AD Rules, the Authority is only required to disclose the facts which will form basis of the final findings. Accordingly, the Authority has disclosed the essential facts vide its disclosure statement dated 1st August, 2017
- f. As regards argument on injury and examination of other factors of injury, the same has been dealt in the relevant paragraph of these findings.
- g. As regards details of inventories of Hejian Yingzhou Chemical Co. Ltd, it is clarified that the said producer/exporter has no inventories in 2014, 2015 and POI.
- h. As regards the argument of month wise analysis not considered by the Authority, it is noted that the Authority has examined all the information considered relevant in the present investigation and concluded as per the Rules and consistent practice.

N. CONCLUSION

92. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject country below its associated normal value except from M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co;
- b. The Domestic Industry has suffered injury from the exports from China except M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co
- c. There is no likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury in case of cessation of Anti-dumping duties from M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd exporting through M/s Wujiang City Yilin Foreign Trading Co.

O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST AND OTHER ISSUES

93. The Authority recognizes that imposition of antidumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the Domestic Industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.
94. The Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

P. RECOMMENDATIONS

95. The Authority notes that the review investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

96. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, in modification of Customs Notification No. 88/2011-Customs dated 9th September, 2011. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col No.8 of the table below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

Sr. No	Tariff Item*	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	UOM
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	M/s. Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd.	M/s. Wujiang City Yilin Foreign Trading Co. Ltd.	Nil	MT
2.	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	M/s. HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	M/s. HejianYingzhou Chemical Co. Ltd	183.54	MT
3.	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in SI No-1 to 2 above		256.48	MT
4.	29214226	Para nitroaniline	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	256.48	MT
5.	29214226	Para nitroaniline	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	256.48	MT

97. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

DR.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority